डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
31 जनवरी 2026 शनिवार

आज का मौसम
24.6 अधिकतम
12.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

कटनी में दरिंदगी, किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

कटनी। शहर सीमा से लगे अमकुही पहाड़ी क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक किशोरी के साथ दो आरोपितों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और उसे रातभर बंधक बनाकर रखा। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और तलाश में टीमें लगा दी हैं। पीड़िता दो दिन पूर्व अपने दोस्तों के साथ अमकुही की पहाड़ी पर घूमने गई थी। इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और उसके साथी युवक के साथ मारपीट कर उसे भगा दिया। इसके बाद आरोपित किशोरी को खंडहरनुमा मकान में ले गए और दुष्कर्म किया।

पोकरण से आईएसआई एजेंट को किया गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने राज्य की सुरक्षा से जुड़े एक गंभीर मामले का खुलासा करते हुए जैसलमेर जिले के पोकरण क्षेत्र से आईएसआई एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान झबराराम पुत्र भानाराम निवासी पोकरण के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया पाक खुफिया एजेंसियों द्वारा राज्य में संचालित की जा रही जासूसी गतिविधियों पर राजस्थान इंटेलिजेंस लगातार कड़ी निगरानी रखे हुए है। इसी निगरानी के दौरान झबराराम की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने जैश के आतंकियों को घेरा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के दोलगाम में छिपे आतंकियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को मार गिराने के लिए एनकाउंटर शुरू कर दिया है। फिलहाल दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आज सुबह जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के डोलगाम इलाके में छिपे आतंकियों से फिर से संपर्क स्थापित किया। सेना ने कहा कि ऑपरेशन की योजना बनाने और उसे जमीन पर लागू करने के लिए सभी स्रोतों से मिली खुफिया जानकारी को कोऑर्डिनेट किया गया।

बिहार सरकार ने माना नीट छात्रा की हत्या हुई

पटना। बिहार सरकार में गृह विभाग के मंत्री सम्राट चौधरी सहित राज्य सरकार ने मान लिया है कि पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या थी। सम्राट चौधरी ने आज सुबह जानकारी दी कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार से पटना में हुई छात्रा की हत्या के मामले की सीबीआई जांच का आग्रह किया है, ताकि घटना का पारदर्शी और न्यायपूर्ण तरीके से उद्भेदन निश्चित किया जाए।

रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी को गोली मारी

लखनऊ। यूपी के लखनऊ से एक बड़ी खबर सामने आई है। लखनऊ में रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी अवधेश कुमार पाठक को बदमाशों ने गोली मारी है। इस घटना को बदमाशों ने रेस्टोरेंट में घुसकर अंजाम दिया है। रिटायर्ड एयर फोर्स अधिकारी अवधेश कुमार पाठक, पत्नी के साथ शॉपिंग स्क्वायर में रेस्टोरेंट का संचालन कर रहे थे। रेस्टोरेंट में घुसकर बेखौफ बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने से गंभीर अवस्था में घायल हुए रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

आज का कार्टून

खुलती फाइलें, उजागर चेहरे... अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट का नया खुलासा

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल फाइल में मीरा नायर और इवांका ट्रंप का भी नाम

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने देर रात एपस्टीन सेक्स स्कैंडल से जुड़ी नई फाइल्स रिलीज की हैं। इनमें जेफ्री एपस्टीन के कुछ ईमेल सामने आए हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक फाइल्स में प्रसिद्ध भारतीय फिल्म डायरेक्टर और न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी की मां मीरा नायर का नाम भी सामने आया है।

मीरा नायर से जुड़ा मेल अमेरिकी फिल्म पब्लिसिस्ट पेगी सीगल ने एपस्टीन को 21 अक्टूबर 2009 को भेजी थी। इसमें पेगी सीगल ने लिखा है कि वह गिस्लीन मैक्सवेल (एपस्टीन की गर्लफ्रैंड और अपराधी) के मैनहट्टन टाउनहाउस से एक आफ्टर-पार्टी से लौटी हैं। नई फाइलों में 30 लाख पेज, 1 लाख 80 हजार तस्वीरें और 2 हजार से ज्यादा वीडियो भी शामिल हैं। मैक्सवेल के घर पर हुई यह पार्टी मीरा नायर की 2009 में रिलीज हुई फिल्म 'एमेलिया' से जुड़ी थी। फिल्म में हिलेरी

स्वैंक ने एविएटर एमेलिया ईयरहार्ट का किरदार निभाया था और रिचर्ड गियर उनके पति जॉर्ज पुटनम के रूप में थे। ईमेल में सीगल ने बताया कि पार्टी में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और मीरा नायर समेत कई बड़े नाम मौजूद थे। इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेटी इवांका का नाम भी सामने आया है। एक ईमेल के सब्जेट में लिखा है, 'जैरेड कुशरर, इवांका ट्रंप विकी वार्ड बुक के लिए तैयार हो रही हैं।'

मस्क को कई बार आईलैंड बुलाया: इन फाइल्स में टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क और एपस्टीन के बीच 2012 और 2013 के दौरान हुए ईमेल एक्सचेंज की जानकारी सामने आई है। एपस्टीन ने मस्क को अपने निजी द्वीप पर आने के लिए कई बार निमंत्रण दिया था। ये ईमेल दिखाते हैं कि एपस्टीन ने यात्रा की तारीखें, हेलीकॉप्टर से आने की व्यवस्था और वहां होने वाली पार्टियों के बारे में मस्क से चर्चा की। हालांकि, इन दस्तावेजों में कहीं भी यह पुष्टि नहीं है कि मस्क कभी द्वीप पर गए। मस्क ने पहले भी इससे इनकार किया है। पिछले साल जब उनके नाम एपस्टीन फाइलों में आए थे, तो उन्होंने एक्स पर लिखा था कि 'एपस्टीन ने मुझे अपने द्वीप पर बुलाने की कोशिश की लेकिन मैंने मना कर दिया।'

दावा : बिल गेट्स को रूसी लड़कियों से यौन बीमारी हुई

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ मेल में एपस्टीन ने दावा किया है कि माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स को रूसी लड़कियों के साथ संबंधों के बाद यौन बीमारी (STD) हुई थी। बिल गेट्स ने एपस्टीन से एंटीबायोटिक दवाएं मांगी थी, ताकि वह ये दवाएं चुपचाप अपनी पूर्व पत्नी (तब की पत्नी) मेलिंडा गेट्स को दे सकें। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है। जस्टिस डिपार्टमेंट के मुताबिक, एपस्टीन ने 18 जुलाई 2013 को सुबह 11:49 बजे खुद को एक लंबा ईमेल लिखा था। इसमें उसने गेट्स पर नाराजगी जताई और कहा कि गेट्स ने छह साल पुरानी दोस्ती खत्म कर दी। इसके पहले एहुद बाराक, लैरी समर्स, बिल रिचर्डसन, प्रिंस एंड्र्यू, सारा फर्ग्यूसन, माइकल जैक्सन, मिक जैगर, केविन स्पेसी आदि के नाम आ चुके हैं।

बालाघाट के बैहर का मामला

हॉस्टल में रह रही 13 वर्षीय छात्रा ने दिया बच्ची को जन्म

बालाघाट। जिला अस्पताल के प्रसूति वार्ड में छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही आठवीं कक्षा की साढ़े 13 वर्षीय नाबालिग के मां बनने की खबर ने छात्रावास में बच्चियों के स्वास्थ्य परीक्षण की पोल खोलकर रख दी है। अस्पताल चौकी से जानकारी मिलने के बाद महिला थाना ने मामले में कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही के लिए गढ़ी थाना को जानकारी भिजवा दी है। जानकारी के अनुसार, नाबालिग को मां बनाने वाले नाबालिग आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिसे आज किशोर न्यायालय में पेश किया जाएगा। वहीं इस मामले में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग शकुंतला डामोर ने बैहर विकासखंड अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास परसामऊ की छात्रावास अधीक्षिका प्राथमिक शिक्षक चैनबती सैयाम को अपने कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

छात्रावास अधीक्षक सस्पेंड

इंदौर के नितिन मेनन आज 150वें अंतरराष्ट्रीय मैच में सुनाएंगे फैसला

इंदौर, एजेंसी

आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच अंपायर नितिन मेनन के लिए भी खास होगा। यह 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच होगा, जिसमें नितिन मैदानी अंपायर की भूमिका निभाने उतरेंगे। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे देश के एकमात्र अंपायर हैं। नितिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एलीट पैनल में शामिल देश के एकमात्र अंपायर भी हैं। भारत में उनके बाद सबसे ज्यादा मैचों में मैदानी अंपायर बनने का सम्मान पूर्व कप्तान एस. वेंकटराघवन के नाम हैं, जिन्होंने 125 मैचों में फैसला सुनाया है। इंदौर में बतौर क्रिकेटर अपना करियर प्रारंभ करने वाले नितिन ने जल्द ही बल्ला छोड़ फैसला सुनाने का फैसला कर लिया था। उनका यह कदम इस लिहाज से सफल रहा कि मप्र में कोई भी क्रिकेटर इतने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सका, जितने अंतरराष्ट्रीय मैचों में नितिन ने अंपायरिंग की है।

सबसे ज्यादा मैचों में अंपायरिंग का रिकॉर्ड

आज शाम मुंबई में शपथ ग्रहण समारोह होने की संभावना

सुनेत्रा के उप मुख्यमंत्री बनने की जानकारी नहीं: शरद पवार

मुंबई, एजेसी

शरद पवार ने सुनेत्रा पवार के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इस घटनाक्रम से खुद को दूर करते हुए कहा कि सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण की मुझे कोई जानकारी नहीं है। बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शरद पवार ने कहा, हमें शपथ ग्रहण के बारे में नहीं पता। हमें इसके बारे में खबरों से पता चला। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब शरद पवार से पूछा गया कि क्या शपथ ग्रहण समारोह में पवार परिवार से कोई शामिल होगा, इस पर उन्होंने कहा कि NCP ने यह फैसला लिया होगा। उनके अनुसार प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे कुछ लोगों ने पहल की थी और इन्हीं लोगों ने कुछ तय किया होगा।

12 फरवरी को होना था दोनों गुट के विलय का ऐलान

महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर शरद पवार ने कहा, 'यह अजित पवार की भी इच्छा थी। इसे जरूर पूरा होना चाहिए।' शरद ने कहा कि अजित, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के विलय के बारे में बातचीत शुरू की थी। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी को विलय का ऐलान होना था लेकिन दुर्भाग्य से, अजित उससे पहले हमें छोड़कर चले गए। सूत्रों के मुताबिक अजित ने 17 जनवरी को बारामती में शरद पवार से मुलाकात की थी। मीटिंग के दौरान दोनों पार्टियों के सीनियर नेताओं ने बारामती एग्रीकल्चर एग्जिबिशन, जिला परिषद के चुनावों को लेकर बातचीत की। साथ आने पर कोई चर्चा नहीं हुई। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि विलय पर चर्चा हुई थी। इस मीटिंग का वीडियो भी सामने आया है। इस मुलाकात के 11 दिन बाद अजित की प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी।

अजित पवार खेमा अभी नहीं चाहता विलय: पेज 8

ई-ट्राइसाइकिल की बैटरी में ब्लास्ट, दिव्यांग टीचर की मौत

बैतूल, एजेंसी

बैतूल जिले के सारणी में ई-ट्राइसाइकिल की बैटरी में ब्लास्ट से आग लग गई। इसमें एक दिव्यांग टीचर की जिंदा जलने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सुनील कुमार लोखंडे पुत्र बलीराम लोखंडे सारणी का ही रहने वाला था। वह बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर जीवनयापन करता था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटनास्थल के पास मौजूद दुकानदार बिल्लू जगदेव ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक लपटें तेज हो चुकी थीं, जिससे सुनील को बचाया नहीं जा सका। हादसे की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए घोड़ाडोंगरी भिजवाया है। मृतक के भाई राजेश ने बताया कि भाई सुनील ने इंजीनियरिंग की थी। वह दो भाइयों में छोटा था। बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर अपना खर्च चलाता था। सुनील बचपन से दिव्यांग नहीं था। बीई की पढ़ाई के दौरान विकलांगता आने लगी थी। जोड़ों का लिक्विड सूखने लगा था।

1.80 करोड़ की लागत से किया गया है जीर्णोद्धार

दसवीं शताब्दी की प्रतिमा वाले भैरवनाथ मंदिर का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

रीवा. एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज रीवा के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में 1.80 करोड़ की लागत से जीर्णोद्धार किए गए भैरवनाथ मंदिर का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र को 17 करोड़ 13 लाख रुपए से अधिक की लागत से बने चार अन्य निर्माण कार्यों की सौगात भी दी। गुढ़ के समीप ग्राम खामडीह में स्थित भैरव बाबा की विशाल प्राचीन प्रतिमा दुर्लभ शयन मुद्रा में है। स्थापत्य कला की दृष्टि से इसका निर्माण लगभग 10वीं शताब्दी का माना जाता है। यह प्रतिमा वर्षों तक खुले आसमान के नीचे रही। अब शासन की एलएडी योजना के तहत प्रतिमा के चारों

ओर दो मंजिला मंदिर का निर्माण कराया गया है। यह मंदिर हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। भैरवनाथ मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सबसे पहले मंदिर पहुंचकर भगवान भैरवनाथ की पूजा-अर्चना किए और ध्वज चढ़ाया। इसके बाद उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया और शासन की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभ वितरण भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने की।

मेट्रो एंकर | **आरसीबी की मालिक डियाजियो कंपनी को जेल से लिखा पत्र, एक अरब डॉलर की पेशकश**

जैकलीन को तोहफे में आईपीएल टीम देना चाहता है महाठग सुकेश

नईदिल्ली. एजेंसी

जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने आईपीएल की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मालिकाना हक खरीदने की पेशकश की है। सुकेश ने इस फ्रेंचाइजी के मालिक डियाजियो को अपनी कंपनी एलएस होल्डिंग्स के नाम से लेटर लिख एक अरब अमेरिकी डॉलर का प्रस्ताव दिया है। साथ ही उसने दावा किया कि वह पुणे स्थित व्यवसायी आदर पूनावाला की तुलना में और बेहतर प्रस्ताव पेश कर सकता है। सुकेश का इरादा अपनी गर्लफ्रेंड जैकलीन फर्नांडीज को तोहफे में टीम देने का है। RCB का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी

डियाजियो को लिखे लेटर में सुकेश चंद्रशेखर ने कहा है कि उसकी कंपनी एलएस होल्डिंग आरसीबी के पूर्ण अधिग्रहण और संचालन के नियंत्रण के लिए अपनी रुचि रखती है। उसने कहा कि उसकी कंपनी आरसीबी के लिए एक बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 8300 करोड़ रुपये) का ऑफर पेश करती है। यह डील पूरी तरह से कैश में होगी। इस डील में फ्रेंचाइजी से जुड़े सभी अधिकार, ट्रेडमार्क, खिलाड़ियों के एग्रीमेंट और लीगल अधिकार शामिल होंगे।

48 घंटे में डील फाइनल करने का दावा

सुकेश ने अपने लेटर में आगे लिखा कि मुझे जानकारी मिली है कि आरसीबी की खरीददारी के लिए मेरी पेशकश से दोगुनी राशि का प्रस्ताव आपको मिला है लेकिन मेरी पेशकश बिल्कुल सही है। उसने दावा किया कि उसकी कंपनी 48 घंटों के अंदर बिना किसी थर्ड पार्टी सहयोग के इस डील को फाइनल कर देगी। लेटर में सुकेश ने अपने ऊपर चल रहे कानूनी मामलों का भी जिक्र किया है। उसने कहा, मेरे खिलाफ जो भी मामले हैं, वे केवल आरोप हैं। किसी भी अदालत में कुछ भी साबित नहीं हुआ है। उसने यह भी दावा किया कि एलएस होल्डिंग्स पर कोई कानूनी विवाद नहीं है और कंपनी कई देशों में रजिस्टर्ड और ऑपरेशनल है।

पार्टनर को मिस करता हूँ

सुकेश ने अपने लेटर में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का भी जिक्र किया है। उसने कहा, यह टीम खरीदना उनकी पार्टनर जैकलीन फर्नांडिस के लिए एक तोहफा होगा। हालांकि सुकेश के इस लेटर का अब तक RCB का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी डियाजियो की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। 24 दिसंबर को जैकलीन के लिए लिखे लेटर में भी सुकेश ने आरसीबी की खरीददारी का जिक्र किया था। सुकेश ने कहा था कि वह आईपीएल टीम का मालिक बनने की कोशिश कर रहा है और आरसीबी के लिए बोली लगा चूका है। ईश्वर के आशीर्वाद से सफलता मिलेगी। अंत में सुकेश ने जैकलिन को बहुत मिस करने की बात कही और वादा किया कि जल्द ही वह उससे मिलेगा।

97 अवैध निर्माण चिह्नित, सीवेज प्लांट अधूरे, आदेश मुख्य सचिव तक पहुंचाने के दिए निर्देश

कलियासोत-भोज वेटलैंड पर कब्जे को लेकर एनजीटी सख्त, प्रशासन की निष्क्रियता पर लगाई फटकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कलियासोत जलाशय क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के मामलों को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कड़ा रुख अपनाया है। सुनवाई में ट्रिब्यूनल ने साफ कहा कि बार-बार निर्देश देने के बावजूद जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा कार्रवाई नहीं की गई, जो चिंताजनक है। एनजीटी के समक्ष यह मामला कलियासोत जलाशय, केरवा जलाशय और आसपास के ग्रीन बेल्ट, बाटनिकल गार्डन व रीजनल गार्डन की जमीन पर हुए अतिक्रमण से जुड़ा है। ट्रिब्यूनल ने माना कि इन अवैध गतिविधियों से न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि घड़ियाल, मगरमच्छ और कछुओं जैसे जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास भी खतरे में है।

97 अतिक्रमण चिह्नित किए

बीते कुछ वर्षों में इन जीवों का रिहायशी इलाकों में दिखना मानव जीवन के लिए भी जोखिम बनता जा रहा है। एनजीटी ने अपने आदेश में खुलासा किया कि कलियासोत जलाशय क्षेत्र में कुल 97 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश सरकारी भूमि पर हैं। इसके अलावा लगभग 150 हेक्टेयर भूमि, जो बाटनिकल गार्डन के लिए आरक्षित है, उसकी न तो समुचित सीमांकन हुआ और न ही सुरक्षा। वहीं, बिना उपचारित सीवेज जलाशयों प्रवाह अब भी एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कई एसटीपी वर्षों से अधूरे या ट्रायल रन की स्थिति में हैं।

दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करने के आदेश

ट्रिब्यूनल ने कलेक्टर भोपाल और नगर निगम आयुक्त को व्यक्तिगत निगरानी में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आदेश दिया गया है कि दो सप्ताह के भीतर शपथपत्र के साथ विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट पेश की जाए। एनजीटी ने यह भी कहा कि लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए।

समय सीमा बीतने के बाद भी शुरू नहीं हुए एसपीटी

एनजीटी ने यह भी चिंता जताई कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्धारित समय-सीमा बीत जाने के बाद भी पूरी तरह चालू नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण बिना उपचारित गंदा पानी जलाशयों में छोड़ा जा रहा है। अधिकरण ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक भूमि की रक्षा करना राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है और अधिकारियों की निष्क्रियता किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च को

याचिकाकर्ता डॉ. सुभाष सी. पांडेय और राशिद नूर खान की ओर से प्रस्तुत तर्कों पर सुनवाई के बाद एनजीटी ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को निर्देश दिए कि यह आदेश मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव तक पहुंचाया जाए, ताकि तत्काल और ठोस कार्रवाई हो सके। अधिकरण ने स्पष्ट किया कि वह स्वामित्व विवाद तय नहीं करेगा, बल्कि उसका उद्देश्य केवल जलाशयों से अतिक्रमण हटाकर भोज वेटलैंड की रक्षा करना है। मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च 2026 को होगी।

सीएसआर फंड से होगी स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और विकास

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगर निगम द्वारा कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से अनुभवी कार्पोरेट संस्थानों की सहभागिता से भोपाल में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शहरी आधारभूत संरचना तथा नागरिक सुविधाओं से संबंधित परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाएगा। इस हेतु निगम प्रशासन ने प्रतिष्ठित एवं अनुभवी संस्थानों से एक्सप्रेशन आफ इंट्रेस्ट आमंत्रित किए हैं। शहर के विकास में सहयोग के इच्छुक संस्थानों को चयनित कर सहभागिता के आधार पर विभिन्न परियोजनाओं को निगम के तकनीकी मार्गदर्शन में क्रियान्वित किया जाएगा। निगम द्वारा की गई इस पहल का उद्देश्य निजी क्षेत्र, सामाजिक उपक्रमों, कार्पोरेट संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता से भोपाल में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शहरी आधारभूत संरचना सहित अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित परियोजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करना है। महापौर मालती राय ने निगम प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीएसआर के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी से शहर के विकास कार्यों को नई गति के साथ शहर को साफ, स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधायुक्त शहर बनाने में सहयोग मिलेगा।

स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी में किताबों का डिस्प्ले कल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी में 1 फरवरी सुबह 11 बजे फिक्शन और नॉन फिक्शन किताबों का संग्रह डिस्प्ले पर लगाया जाएगा। झलाइब्रेरी प्रबंधक यतीश भटेले बताया कि इस कलेक्शन में कुल 25 किताबें शामिल की गई हैं और इस कलेक्शन में अंग्रेजी बुक्स को शामिल किया गया है। ये किताबें ए आई, चैट जीपीटी, हेल्थ,सेल्फ डेवलपमेंट, फिक्शन,नॉन फिक्शन, मैनेजमेंट आदि विषयों से संबंधित हैं इन किताबों में ए आई वैली - लेखक ग्रे रिवलिन, ग्रोथ ए रैकोनिंग-लेखक डेनियल सुसस्किंड, लेटर फ्रॉम जापान-लेखक मारिए कोंडो, ए आई फॉर लाइफ-लेखक क्विल्लिअन, 50 इकोनॉमिक्स क्लासिक्स-लेखक टॉम बटलर, हाऊ ए आई थिंक-लेखक निगेल टून, मास्टर योर लर्निंग-लेखक थिबौत, बेटर स्माल टॉक-लेखक पैट्रिक किंग, द घोस्ट्स ऑफ़ इंडियन स्माल टोन्स, एन अंटार्कटिका मिस्ट्री-लेखक जूल्स वर्नी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ओरल आदि किताबें शामिल हैं।

भोपाल गैस त्रासदी...

160 गंभीर रूप से बीमार गैस पीड़ितों की अनुग्रह राशि अटकी

नवंबर 2025 से कैंसर और किडनी पीड़ितों को नहीं हुआ भुगतान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा समय पर बजट जारी नहीं किए जाने से गैस आपदा पीड़ितों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। बजट के अभाव में कैंसर और किडनी फेल्योर से पीड़ित 160 गैस पीड़ितों को नवंबर 2025 से अब तक उनकी अनुग्रह राशि नहीं मिल पाई है। गैस पीड़ितों के वेलफेयर कमिश्नर कार्यालय के पास भी इस बात की कोई स्पष्ट टाइमलाइन नहीं है कि इन अत्यंत बीमार पीड़ितों को उनका हक कब तक मिलेगा। बजट के अभाव में सबसे अधिक जरूरतमंद और असहाय गैस पीड़ितों को अनुग्रह राशि से वंचित रखा गया है। मामले को लेकर गैस पीड़ित संगठनों ने रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के मंत्री और संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर त्वरित हस्तक्षेप और तत्काल बजट जारी करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि देरी सीधे तौर पर गंभीर रूप से बीमार पीड़ितों की जान पर भारी पड़ रही है।

क्षत्रिय खंगार समाज का परिचय सम्मेलन कल

भोपाल। क्षत्रिय खंगार समाज कल्याण समिति द्वारा समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन और सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन एक फरवरी रविवार को मानस उद्यान गुफा मंदिर लालघाटी में किया जा रहा है। समाज के केपी राय ने बताया विगत पांच वर्षों से समाज के युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी से बढ़ी ठंड

भोपाल। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में जबरदस्त बर्फबारी हुई है। वहां से लगातार आ रही बर्फीली हवाओं ने मध्य प्रदेश के अधिकतर शहरों में एक बार फिर से कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार रात से मौसम का मिजाज बदल सकता है। बादल छाने के साथ रविवार से हल्की बारिश का सिलसिला भी शुरू हो सकता है।

राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में होगा खेलो एमपी यूथ गेम्स का समापन

मंत्री विश्वास सारंग ने तैयारियों को लेकर की समीक्षा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

खेलो एमपी यूथ गेम्स का समापन समारोह आज शाम 5 बजे कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में होगा। इस गरिमामय समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समापन समारोह की तैयारियों को लेकर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को तात्या टोपे स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में समापन समारोह की रूपरेखा, पुरस्कार वितरण एवं समग्र व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन 13 जनवरी 2026 से प्रारंभ हुआ, जिसमें प्रदेशभर में 28 खेलों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर लगभग 1 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने सहभागिता कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी ने इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। समापन समारोह के अवसर पर खेलो एमपी यूथ गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संभागों एवं खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान खिलाड़ियों के परिश्रम, अनुशासन और खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किया जाएगा। सारंग ने कहा कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रदेश की खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने और भविष्य के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को पहचान देने का सशक्त माध्यम बना है।

पंजाबी थीम कार्यक्रम में दिखाई दी अनेकता में एकता के साथ भारतीय संस्कृति की झलक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जैन समाज के युवक युक्तियां ने भारतीय संस्कृति के साथ अनेकता में एकता का परिचय कुराना जिनालय परिसर में सोशल ग्रुप पार्श्वनाथ द्वारा पंजाबी थीम पर पंजाबी संस्कृति की झलक दिखाई दिया। जिसमें ग्रुप के अध्यक्ष मनोज जैन मन्नु ने बताया कार्यक्रम की शुरुआत में सभी ने भगवान आदिनाथ की प्राचीन प्रतिमा के समक्ष सभी के

मंगल मय जीवन की कामना की और देश में खुशहाली रहे ऐसी प्रार्थना की ग्रुप के सदस्य कुर्ता पजामा पहनकर, पंजाबी पगड़ी बांधकर और महिला सदस्य पंजाबी सूट, पटियाला सूट पहनकर बालों में परांदा सजाकर भांगड़ा कर रहे थे , और पंजाबी सॉन्ग पर जमकर धमाल किया। साथ में विभिन्न प्रकार के पंजाबी व्यंजन सभी ने मिलजुल कर ग्रहण किया। कार्यक्रम में बाल गेम, बैलून गेम, बच्चों के गेम में सभी ने आनंद लिया। ग्रुप के अध्यक्ष मनोज मन्नू सचिव प्रभात बचपन और कोषाध्यक्ष आलोक हैप्पी ने सभी प्रतिभाओं का बहु मान किया।

इस अवसर पर ग्रुप के परम संरक्षक प्रमोद हिमांशु, निवर्तमान अध्यक्ष विपिन एमपीटी, पूर्व अध्यक्ष सुनील पब्लिशर्स, पूर्व अध्यक्ष मनीष आर एम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक दीपराज, वरिष्ठ समन्वयक अनूप सिंघई, वरिष्ठ सलाहकार अनिल अलका, मुख्य सूत्रधार दीपक सोगानी, मुख्य निर्देशक प्रभात बरेला, मुख्य संयोजक प्रमीत अजमेरा, उपाध्यक्ष सुधीर नरपत्या, शैलेन्द्र गोगा, सूर्यप्रकाश गुड्डू, संयुक्त सचिव मनीष अरिहंत, सह सचिव राजू सिंघई, धर्मेन्द्र टीनू, संगठन सचिव मनोज ऊषा, परामर्शदाता स्वतंत्र बड़कुल, संचालक सदस्य अजय मोदी, मनीष बांगा, राजीव सिद्ध गारमेंट्स, तारेश सुपारी, हर्ष जैन, सतेन्द्र सिंघई, सुनील नवकार, विपिन रिक्वायर, प्रकाश एल एस सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे।

सड़क पर छोटी चूक जीवनभर का नुकसान बन सकती है : भोंडवे

सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यशाला आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन से जुड़ा है। यदि सभी यातायात नियमों का पालन करें और आपात परिस्थितियों में सही जानकारी रखें तो अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं।

भोंडवे ने ये बातें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आम नागरिकों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरुक करने के लिए विभाग की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षाङ्कजीवन रक्षा प्रशिक्षण सह कार्यशाला में कहीं। आगे संकेत भोंडवे ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज में जिम्मेदार नागरिक भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस दौरान सड़क सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, दुर्घटना की स्थिति में त्वरित सहायता एवं जीवन रक्षा से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में आयुक्त नगर निगम संस्कृति जैन ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने आमजन से अपील की कि हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें और यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें।

पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायण चारी मिश्रा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में असामयिक मृत्यु के अधिकांश मामले 25 से 50 आयु वर्ग के युवाओं के होते हैं। इसका प्रमुख कारण हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग न करना है। युवा वर्ग को यह समझना होगा कि थोड़ी सी लापरवाही जीवनभर का नुकसान बन सकती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे वाहनों में उपलब्ध आधुनिक तकनीकों का सकारात्मक उपयोग करें। जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को प्राथमिक उपचार, दुर्घटना स्थल पर सुरक्षित सहायता, आपात सेवाओं से समन्वय और जीवन रक्षा से संबंधित व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

मेट्रो एंकर

तीन दिवसीय समारोह का हुआ भव्य शुभारंभ

भारतीय संस्कृति, परंपरा का जीवंत उत्सव बना मातृभाषा समारोह

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बीएचईएल दशहरा मैदान भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के रंग में सराबोर नजर आया। मातृभाषा मंच की ओर से आयोजित तीन दिवसीय मातृभाषा समारोह का शुभारंभ हुआ। विविध भाषाओं और संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोने वाला यह आयोजन भाषाई समरसता और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत उदाहरण बना।

सागर ग्रुप के चेयरमैन सुधीर अग्रवाल, भोपाल विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर तथा मध्यभारत प्रांत कार्यवाह हेमंत सेठिया मंचासीन रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा मातृभाषा मंच के संयोजक अमिताभ सक्सेना ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से सक्रिय यह मंच अनेक भाषाओं की विविधता के बावजूद ÷हम साथ हैं÷ की भावना के साथ समाज को जोड़ने का सतत प्रयास कर रहा है। समारोह के प्रातः सत्र की शुरुआत देशभक्ति के भावों से ओतप्रोत वातावरण में हुई। मंच पर उपस्थित कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं के मन में राष्ट्रप्रेम की अलख जगा दी। स्वर, ताल और भावों के सुंदर संगम ने पूरे परिसर को भावनात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके उपरांत वंदे मातरम् पर केंद्रित नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नृत्य की हर मुद्रा में मातृभूमि के प्रति समर्पण और गौरव झलक रहा था, जिसे दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा। समारोह में अयोध्या के श्रीराम मंदिर पर केंद्रित भव्य झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर नजर आए और कई लोगों ने इसे भारतीय आस्था, संस्कृति और गौरव का जीवंत प्रतीक बताया।

इस अवसर पर हेमंत सेठिया ने मातृभाषा और भारतीय संस्कृति के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश में अभिवादन की भाषाएं भले ही अलग-अलग हों, लेकिन उसकी पद्धति एक ही है। उन्होंने कहा कि विश्व में वर्तमान में केवल तीन प्राचीन सभ्यताएं जीवित हैं चीन, इजराइल और भारत, जिनमें भारतीय संस्कृति कालजयी है।

प्रदेश में ई-डिटेक्शन सिस्टम होगा लागू: 15 साल पुराने अनफिट वाहनों की भी खुलेगी पोल

मप्र की सड़कों पर अवैध वाहनों की नो-एंट्री, टोल पार करते ही पहुंचेगा ई-चालान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की सड़कों पर परमिट, बीमा और फिटनेस के बिना चलने वाले वाहनों की पहचान अब टोल बूथ पर की जा सकेगी। यह टोल प्लाजा में लगे कैमरों व फास्ट टैग से संभव होगा। टोल प्लाजा से वाहनों की वैधता की पहचान की जाएगी। वाहनों के दस्तावेज गड़बड़ मिले तो ई-चालान जारी होगा। इसके लिए मध्य प्रदेश परिवहन आयुक्त कार्यालय में ई-डिटेक्शन सेल को राष्ट्रीय सूचना केंद्र की ई-डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से ई-चालान जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है।

स्वचालित रूप से ई-चालान जारी किया जाएगा– राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की ई-डिटेक्शन प्रणाली को प्रदेश में स्थित नेशनल हाइवे तथा स्टेट हाइवे के टोल प्लाजा एवं राज्य शासन के अन्य विभागों के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके बाद इन स्थलों से गुजरने वाले वाहनों की वैधता का सत्यापन ई-डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से स्वतः हो जाएगा, यदि कोई वाहन अवैध, बिना बीमा, बिना फिटनेस, बिना पीयूसी या बिना स्वामित्व के टोल पार करता है, तो उसके खिलाफ स्वचालित रूप से इलेक्ट्रानिक (ई-चालान) जारी किया जाएगा।

गड़बड़ी पर जारी होंगे चालान– चालान की कार्रवाई ई-डिटेक्शन सेल से होगी। जैसे ही वाहन के बीमा, फिटनेस, पीयूसी में गड़बड़ी मिली तो ई-चालान फोन, एसएमएस या ई-मेल के माध्यम से वाहन मालिक को भेजा जाएगा। इसमें उल्लंघन का विवरण, अभिलेख राशि और भुगतान की जानकारी होगी। वाहन मालिक को लाइसेंस के विरुद्ध ऑफलाइन अपील या भुगतान का विकल्प मिलेगा। पहले चरण में परमिट, बीमा और फिटनेस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

दस्तावेज अवैध तो वाहन डिफाल्टर के रूप में होगा चिह्नित

टोल प्लाजा पर गुजरते समय वाहन का कोई दस्तावेज एक्सपायर्ड या अवैध पाया जाता है, तो वाहन को डिफॉल्टर के रूप में चिह्नित कर तुरंत ई-चालान जारी किया जाएगा। यह प्रणाली पहले से ही ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों में सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है। राजस्थान में भी एनएचएआइ ने इसी तरह के स्मार्ट सिस्टम को कई टोल प्लाजा पर लागू करने की योजना बनाई है।

15 वर्ष पुराने वाहनों की भी होगी पहचान

यह प्रणाली 15 वर्ष से अधिक पुराने उन वाहनों की भी पहचान करेगी, जिनका पंजीयन प्रमाण पत्र समाप्त हो चुका है और समय पर नवीनीकरण नहीं कराया गया है। वाहन स्वामी, परिवहन सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जुर्माना जमा कर सकेंगे।

राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव, मध्यप्रदेश, देश का दूसरा सर्वाधिक पुष्प उत्पादक राज्य, सीएम बोले-

पुष्प केवल प्रकृति की नहीं हमारे भावों की भी है सुंदर और सशक्त अभिव्यक्ति

मध्यप्रदेश के फूलों की सुगंध पहुंच रही है पेरिस और लंदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुष्प केवल प्रकृति की नहीं हमारे भावों की भी सुंदर और सशक्त अभिव्यक्ति हैं। जन्म से लेकर जीवन के हर मंगल अवसर तक पुष्प हमारे भावों को अभिव्यक्त करते हैं। वर्तमान में यही पुष्प किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और निर्यात क्षमता को मजबूत बनाने का माध्यम बन रहे हैं। गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश, देश में पुष्प उत्पादन में अग्रणी राज्य है। मध्यप्रदेश के फूलों की सुगंध पेरिस और लंदन तक पहुंच रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के गुलाब उद्यान में आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव की अवधि तीन दिन करने की घोषणा की।

फूलों के माध्यम से किसान से बढ़ा सकते हैं अपनी आय

मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव के माध्यम से किसानों को व्यवसायिक स्तर पर फूलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य के किसान पुष्प उत्पादन से अपनी आय बढ़ा रहे हैं। इस आयोजन में पुष्प उत्पादक किसान, नर्सरी संचालक और खरीदार तीनों एक स्थान पर जुटे हैं। किसानों को बाजार की संभावनाओं और फूलों की खेती की जानकारी प्रदान की जा रही है। फूलों के माध्यम से किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। प्रदेश में फूलों की खेती का रकबा निरंतर बढ़ रहा है। प्रदेश के किसान, फूल नहीं अपने मन का भाव दूसरे स्थानों पर भेजते हैं। प्रदेश के 40 हजार किसान पुष्प उत्पादन से जुड़े हैं और 45 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में फूलों का उत्पादन हो रहा है। हर साल लाखों टन फूल गुजरात, महाराष्ट्र सहित विदेशों में भी भेजे जा रहें है। राज्य सरकार किसानों को पुष्प उत्पादन के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और अनुदान में सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का दूसरा सर्वाधिक पुष्प उत्पादक राज्य है। वर्ष 2021-22 तक राज्य में फूलों की खेती का रकबा 37 हजार हैक्टेयर था, जो अब बढ़कर 44 हजार हैक्टेयर हो चुका है। प्रदेश का पुष्प उत्पादन 86 लाख टन हो गया है।

सोयाबीन किसानों को ट्रांसफर की जा रही भावांतर राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सोयाबीन किसानों को भावांतर राशि अंतरित की जा रही है। किसानों को गेहूं का 2600 रुपए प्रति क्विंटल भाव दिया जा रहा है। संभव है कि वर्ष 2026 में किसानों को 2700 रूपए प्रति क्विंटल गेहूं का भाव मिले, वर्ष 2030 तक गेहूं का मूल्य 3000 रूप्ये प्रति क्विंटल मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरंतर किसानों के कल्याण के लिए प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कभी किसानों के हितों से समझौता नहीं किया। किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन जैसे सभी क्षेत्रों की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग का बड़ा फैसला

नए शिक्षण सत्र से अब सभी सरकारी स्कूलों में होगी एक जैसी यूनिफॉर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से सांदीपनि विद्यालयों की तर्ज पर प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की गणवेश एक ही रंग और डिजाइन की होगी। इस बार स्कूल शिक्षा विभाग सभी स्कूलों के विद्यार्थियों को राशि के बदले गणवेश तैयार कराकर देगा। स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव पीके सिंह ने बताया कि अभी केवल सांदीपनि विद्यालयों में ही अलग रंग की चेक डिजाइन गणवेश दी जाती थी, जबकि अन्य सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग व्यवस्था थी।

अब पहली से आठवीं कक्षा तक के करीब 66 लाख विद्यार्थियों को एक समान रंग और डिजाइन की गणवेश उपलब्ध कराई जाएगी। अब तक सरकार पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को गणवेश सिलवाने के लिए प्रति विद्यार्थी 600 रुपये की नकद सहायता राशि देती थी। यह राशि दो गणवेश के लिए दी जाती थी, जिस पर हर साल करीब 350 करोड़ रुपये का खर्च आता था। नई व्यवस्था के तहत नकद राशि बंद कर दी जाएगी और विभाग के स्तर से गणवेश की खरीदी कर उसे विद्यार्थियों में वितरित किया जाएगा।

स्व सहायता समूहों के माध्यम से तैयार किया जाएगा- स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए गणवेश की केंद्रीकृत खरीदी की जाएगी। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाएगी और गणवेश तैयार करने का काम स्व-सहायता समूहों को सौंपा जाएगा। इससे एक ओर जहां विद्यार्थियों को समय पर एक जैसे कलर और डिजाइन का गणवेश मिलेगा। वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर स्व-सहायता समूहों को रोजगार भी प्राप्त होगा।

साल 2020 से बिगड़ी व्यवस्था

राज्य शिक्षा केंद्र ने 2020 में गणवेश सिलाई का काम स्व-सहायता समूहों को दिया था। नतीजा यह रहा कि सत्र गुजर जाने के बाद भी मार्च 2021 में स्कूलों में यूनिफॉर्म पहुंच सकी। कोरोना के कारण स्कूल बंद होने से शिक्षकों को घर-घर जाकर गणवेश पहुंचाना पड़ी। बच्चों का सही नाप नहीं होने के कारण साइज भी छोटा पड़ गया। साल 2022 की यूनिफॉर्म 2023 में पहुंचाई गई थी, लेकिन वर्ष 2024 की सत्र समाप्ति तक कई बच्चों को ड्रेस नहीं मिली। इसके बाद नकद राशि देने का काम शुरू हुआ, लेकिन अब फिर टेंडर जारी कर खरीदी की जाएगी।

10वीं-12वीं की परीक्षा में प्रेक्षकों की निगरानी में रहेंगी आंसर शीट

परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले से लेकर कापी जमा होने तक रखेंगे नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से प्रारंभ होने जा रही हैं। इस बार बोर्ड परीक्षा को पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए मंडल ने परीक्षा व्यवस्था में कई अहम बदलाव किए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रेक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। पिछले साल सिर्फ संवदेनशील व अति संवदेशील केंद्रों पर ही प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई थी, लेकिन इस बार मंडल सभी केंद्रों पर प्रेक्षकों की तैनाती होगी। माशिमं द्वारा इस बार प्रेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं प्राचार्यों की नियुक्ति की जा रही है। इस बार प्रेक्षक केवल निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया पर उनकी कड़ी नजर रहेगी। कलेक्टर की ओर से प्रेक्षक इन केंद्रों पर तैनात किया जाएगा। इनकी ड्यूटी प्रश्नपत्र खुलने के आधे घंटे पहले केंद्रों पर पहुंचना होगा और परीक्षा खत्म होने के बाद प्रश्नपत्र का बंडल समवन्वयक केंद्र पहुंचाने तक की ड्यूटी रहेगी।

रिटायर्ड अधिकारी भी किए जाएंगे तैनात

कलेक्टर द्वारा प्रेक्षक की नियुक्ति की जाएगी। इसमें पांच साल पहले सेवानिवृत्त प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अधिकारी या प्राचार्य शामिल होंगे।इन्हें एक दिनदके लिए 700 रुपये का मानयदेय दिया जाएगा। इन्हें परीक्षा शुरू होने से आधे घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा। प्रश्नपत्र एवं उत्तरपुस्तिकाओं के बंडल खुलवाने, उनका सुरक्षित वितरण, परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और परीक्षा समाप्ति के बाद उत्तरपुस्तिकाओं को एकत्र कर जमा कराने तक की संपूर्ण प्रक्रिया प्रेक्षक की निगरानी में होगी।

सड़क पर बैठकर किया गायत्री मंत्र का जाप

वरिष्ठ अधिकारियों की अनदेखी पर भड़के किसान, नेशनल हाइवे 45 पर लगाया जाम

तेंदूखेड़ा/भोपाल, दोपहर मेट्रो

अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर पिछले 10 दिनों से संघर्ष कर रहे अन्नदाताओं का धैर्य अब जवाब दे गया। एसडीएम कार्यालय के समक्ष 21 जनवरी से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के सदस्यों ने प्रशासनिक उपेक्षा से नाराज होकर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर-भोपाल मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान किसानों ने सरकार की सद्बुद्धि के लिए सड़क पर ही बैठकर सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का जाप किया, जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को पूर्व निर्धारित किसान महापंचायत का आयोजन किया गया था। किसानों को उम्मीद थी कि उनकी समस्याओं को सुनने के लिए कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचेगा, लेकिन जब केवल नायब तहसीलदार को ज्ञापन लेने के लिए भेज दिया गया, तो प्रदर्शनकारी इसे अपना अपमान मानकर उत्तेजित हो उठे। प्रशासन के इस टालमटोल वाले रवैये से नाराज किसान तुरंत हाईवे पर पहुंच गए और सड़क की एक लेन को पूरी तरह बाधित कर दिया। हाइवे पर बैठे किसानों ने न केवल नारेबाजी की, बल्कि आध्यात्मिक मार्ग अपनाते हुए गायत्री मंत्र का जाप शुरू कर दिया। स्थिति को तनावपूर्ण होता देख तहसीलदार तत्काल मौके पर पहुंचे और मोर्चा संभाला।

प्रमुख मांगें और भविष्य की चेतावनी

राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने अपनी मांगों का एक विस्तृत चार्टर प्रशासन के सामने रखा है। इनकी मुख्य मांगों में शामिल हैं:-

स्थानीय मुद्दे: चिनकी बैराज परियोजना में पेयजल प्रभावित गांवों को प्राथमिकता देना, खाद की किल्लत दूर करना और मनमाने बिजली बिलों में सुधार।

राजस्व मामले: लंबित नामांतरण और बंटवारा प्रकरणों का त्वरित निराकरण।

नीतिगत मांगें: एमएसपी गारंटी कानून लागू करना, गन्ना नीति में सुधार, तेंदूखेड़ा में शुगर मिल की स्थापना और वृद्ध किसानों के लिए 10 हजार रुपये मासिक पेंशन।

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों पर जल्द ही कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वर्तमान आंदोलन आने वाले समय में और अधिक उग्र रूप धारण करेगा।

मप्र में पहली बार पुलिस भर्ती प्रक्रिया 6 महीने में होगी पूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र पुलिस आरक्षक (जीडी) भर्ती वर्ष 2025 के दूसरे चरण की शारीरिक दक्षता परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। पुलिस मुख्यालय ने इसके लिए आवश्यक बजट आवंटन की मांग करते हुए एडीजी योजना को पत्र भेजा है।

ऑनलाइन लिखित परीक्षा पूरी हो चुकी है और अब सफल अभ्यर्थियों के लिए फरवरी 2026 से फिजिकल टेस्ट आयोजित करने की योजना बनाई गई है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार दूसरे चरण में शारीरिक दक्षता परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन कराया जाएगा। करीब 53 हजार अभ्यर्थियों को इसमें शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पहले दो दिन रोजाना 200-200 उम्मीदवारों की परीक्षा होगी, जबकि तीसरे दिन से रोजाना 400 उम्मीदवारों का परीक्षण किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया को लगभग 15 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

व्यवस्थाओं के लिए मांगा गया बजट

दूसरे चरण की परीक्षा भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, रीवा, बालाघाट, रतलाम और मुरैना में आयोजित की जाएगी। इन केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती, मेडिकल सुविधा, सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, उपकरण, ग्राउंड तैयार करने और अन्य व्यवस्थाओं के लिए अतिरिक्त बजट की जरूरत बताई गई है।

मेट्रो एंकर

भोपाल में बाघ मूवमेंट क्षेत्र में हुआ है विकसित, 12 रुपए में घूम सकेंगे लोग

सबसे पहले स्कूली बच्चों ने देखा चंदनपुरा नगर वन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश के एकमात्र शहरी बाघ मूवमेंट क्षेत्र में विकसित चंदनपुरा नगर वन को शुक्रवार को भोपाल वन मंडल ने आम नागरिकों के लिए खोल दिया। सुबह इसे हरी झंडी दिखाकर खोला गया। सबसे पहले स्कूली बच्चों ने चंदनपुरा नगर वन देखा। शाम को भी बड़ी संख्या में लोग नगर वन में घूमने पहुंचे। डीएफओ लोकप्रिय भारती, एसडीओ धीरेंद्र सिंह चौहान समेत वन अमले की मौजूदगी में चंदनपुरा नगर वन की शुरुआत की गई। कोलार से 10 किमी दूर नगर वन में भ्रमण के लिए कुल 9 किमी का पाथवे बनाया गया है। इसमें 6 किमी बाहरी और 3 किमी आंतरिक पाथवे शामिल हैं।

वनकर्मियों के साथ घूमे लोग– चंदनपुरा नगर वन 50 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। इसमें 12 फीट ऊंची फेंसिंग है। ताकि, सुरक्षा रहे। वहीं, 300 से ज्यादा प्रजाति के पेड़-पौधे हैं।

पार्किंग की बाहर व्यवस्था की– चंदनपुरा नगर वन बाघ और भालू मूवमेंट वाले क्षेत्र में विकसित किया गया है। मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए पूरे परिसर में करीब 12 फीट ऊंची जालीदार फेंसिंग की गई है। डीएफओ भारती ने बताया, नगर वन को इस तरह विकसित किया गया है कि लोग सुरक्षित माहौल में प्रकृति के करीब समय बिता सकें। परिसर में किसी भी प्रकार के वाहन की अनुमति नहीं है। पर्यटकों को बाहर पार्किंग कर पैदल ही घूमना होगा। पहले दिन भी यही व्यवस्था रही।

इस समय घूमने पहुंचे

चंदनपुरा नगर वन में सुबह 6 से 10 बजे और शाम 4 से 6 बजे तक घूमा जा सकता है। पैदल भ्रमण शुल्क 12 रुपए है। वहीं, मासिक पास 300 रुपए निर्धारित किया गया है। पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। यदि कोई कार से जाता है तो 12 रुपए और बाइक ले जाने पर 6 रुपए पार्किंग शुल्क देना होगा। कैमरा ले जाने पर 550 रुपए प्रति घंटा लगेगा।

अच्छे बजट की उम्मीद

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने ऐसे समय में देश के सामने उम्मीद की तस्वीर रखी है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं से जूझ रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश इस सर्वेक्षण ने न केवल बीते वित्त वर्ष का लेखा-जोखा दिया है, बल्कि आने वाले बजट की दिशा भी काफी हद तक स्पष्ट कर दी है। संकेत साफ हैं- भारत की अर्थव्यवस्था तमाम दबावों के बावजूद संतुलन में है और आगे बढ़ने की क्षमता रखती है। सर्वेक्षण में आगामी वर्षों के लिए लगभग सात प्रतिशत की विकास दर का अनुमान अपने आप में उत्साह बढ़ाने वाला है। जब दुनिया के कई बड़े देश आर्थिक सुस्ती और राजनीतिक तनावों से घिरे हों, तब भारत के लिए यह अनुमान भरोसे का संदेश देता है। खासकर तब, जब अमेरिका जैसे बड़े व्यापार साझेदार की नीतियां कई बार कठोर और भारत-विरोधी रुख अपनाती नजर आती हैं। इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूती से खड़ा रहना इस बात का प्रमाण है कि देश अब केवल बाहरी परिस्थितियों का मोहताज नहीं रहा। वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में निरंतर वृद्धि यह दिखाती है कि भारतीय उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक स्वीकार्यता बनी हुई है। ऊंचे टैरिफ और अंतरराष्ट्रीय तनावों के बावजूद निर्यात का रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचना भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को रेखांकित करता है। यह उन आशंकाओं को भी खारिज करता है, जिनमें कहा जाता है कि वैश्विक दबाव भारत की रफ़्तार थाम सकते हैं। महंगाई के संदर्भ में सर्वेक्षण अपेक्षाकृत सकारात्मक तस्वीर पेश करता है। सरकारी हस्तक्षेप और मौद्रिक नीतियों के चलते खुदरा महंगाई में नरमी बनी हुई है, जो आम आदमी के लिए राहत की बात है। इसके साथ ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में हुई उल्लेखनीय वृद्धि यह बताती है कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा अभी भी भारत की संभावनाओं पर कायम है। आर्थिक सर्वेक्षण का सबसे अहम पहलू भविष्य की ओर इशारा करता है। बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश, उद्योगों को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों पर संभावित फोकस आने वाले बजट को निर्णायक बना सकता है। पूंजीगत व्यय में लगातार हो रही बढ़ोतरी यह संकेत देती है कि सरकार दीर्घकालिक विकास की रणनीति पर काम कर रही है। समग्र रूप से देखें तो आर्थिक सर्वेक्षण ने एक सकारात्मक माहौल बनाया है। अब निगाहें 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट पर टिकी हैं। यदि सर्वेक्षण की भावना को ठोस नीतियों और व्यावहारिक फैसलों में बदला गया, तो यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं रहेगा, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों की उम्मीदों का आधार भी बन सकता है।

इन्हें याद नहीं आते ब्राम्हण नरसंहारों के ऐतिहासिक प्रमाण

मनोज श्रीवास्तव
चिंतक-स्तंभकार

एक सज्जन टीवी चैनल पर चीख रहे थे - हमने शताब्दियों के अत्याचार सहे हैं। मैंने देखा कि कोई उन्हें चुनौती भी नहीं दे रहा था। अच्छे ज्ञानवान लोग भी इस विषय पर बात ही नहीं कर रहे थे। वे कोई ऐतिहासिक प्रमाण भी नहीं दे रहे थे लेकिन अंग्रेजों के द्वारा बुने नैरेटिव के आत्मविश्वास से बोलते जा रहे थे।

मैंने सोचा यह भी ईकोसिस्टम की ही जीत है कि शताब्दियों से चले आ रहे ब्राह्मण नरसंहारों के ऐतिहासिक प्रमाण तक इन्हें याद नहीं आते। इस दुष्टता की कहीं कोई स्पर्धा है क्या? उन्हें इतिहास के प्रमाण नहीं चाहिए, उन्हें पुरातात्विक साक्ष्य नहीं चाहिए, उन्हें वर्तमान के अकाट्य और प्रत्यक्ष प्रमाणों से भी कोई मतलब नहीं। उनका कथन उनके गहरे ब्राह्मण -द्वेष की कंदरा से निकलता है। 'दलित व्हाइस' नामक एक पत्रिका तो ब्राह्मणों को यहूदियों की संतान बताते हुए उन पर fanaticism और arrogance का आरोप वैसे ही लगाती है जैसे यहूदियों पर लगाए गये थे। यदि शूद्रों ने कथित रूप से शताब्दियों अत्याचार सहे तो 1000 साल का विदेशी शासन क्या ब्राह्मणों पर कहर बन कर नहीं टूटा ? क्या किसी को ख्वाजा मसूद बिन सा' द बिन सल्मान द्वारा जालंधर के युद्ध का 'दीवान-ए-सलमान पुस्तक में किया गया वर्णन याद हैः 'Not one Brahmin remained unkilled or uncaptured, their heads were levelled with the ground.' क्या फीरोजशाह बहमनी (1398-99) ने 2000 ब्राह्मण स्त्रियों का अपहरण नहीं किया था (तवारीख फरिश्ता)?

इतिहासकार हसन की 'हिस्ट्री ऑफ काश्मीर' सिकंदर बादशाह के द्वारा ब्राह्मणों के नरसंहार का विस्तृत विवरण देती है। Brahmins were forced to convert to Islam, pay heavy jizya if they refused, or face death, e&ile, or suicide. Temples were systematically destroyed, Hindu practices banned, and sacred threads (zunnar) from killed Hindus were collected and burned (described as weighing several ass-loads or mounds). Many Brahmins fled, converted under duress, or died; some poisoned themselves to avoid forced conversion. Only a few Brahmin families reportedly remained in Kashmir.

क्या बाबर के गवर्नर लाहौर ने पुनियाल में दत्त ब्राह्मणों को चुन-चुन कर खत्म नहीं किया था?: जिस तरह से मध्यकाल में ब्राह्मणों और भिक्खुओं को टारगेट करके तलवार के घाट उतारा गया था, वह किसी के ध्यान में है। 1456 ई. में कन्हाडे प्रबन्ध अलाउद्दीन खिलजी के गुजरात आक्रमण के बारे में लिखता है : 'आक्रमणकारी सेना ने गाँव-दर-गाँव जलाए, जमीन उजाड़ दी, लोगों का धन लूटा, ब्राह्मणों और बच्चों और औरतों को बंदी बनाया, उन्हें कोड़ों से पीटा और बंदियों को तुर्क सेवकों में बदल दिया।'

स्वयं विजेताओं की ओर से लिखा गया वर्णन देखिए। 1011 ई. में थानेसर पर सुल्तान महमूद का आक्रमण उसके मंत्री उत्बी के तारीख-ए-यामिनी के शब्दों में यों वर्णित हुआः 'The blood of the infidels flowed so copiously [at Thanesar] that the stream was discolored, notwithstanding its purity and people were unable to drink it. The Sultan returned with plunder which is impossible to count. Praise be to Allah for the honor he bestows on Islam and Muslims.' यही उत्बी दिसंबर 1018 में मथुरा के महावन में महमूद की विजय का वर्णन यों देता है :

'The infidels deserted the fort and tried to cross the foaming river.... but many of them were slain, taken or drowned.... Nearly fifty thousand men were killed.' यही उत्बी मथुरा की विजय के बारे में लिखता हैः 'The Sultan gave orders that all the temples should be burnt with naptha and fire, and levelled with the ground.'

उत्बी कन्नौज के 10 हजार मंदिरों के विध्वंस के बारे में आनंदपूर्वक लिखता है और यह भी कि

'The Brahmins of munj which was attacked ne&t, fought to the last man after throwing their wives and children into fire.

श्रावा के बारे में उत्बी ने कहाः 'The Muslims paid no to the booty till they satisfied themselves with slaughters of the infidels and worshippers of sun and fire. The friends of Allah searched the bodies of the slain for x days in order to obtain booty... '

महमूद के लडके मसूद ने 1037 में जब हांसी किले पर आक्रमण किया तो तारीख-उस-सबक्तिगिन का विवरण यों हैः 'The Brahmins and other high ranking men were slain, and their women and children were held captive.'

मुहम्मद गौरी के दौर में इब्न असीर के 'कामिल-उत्-तवारीख' में लिखा गया : 'The slaughter of Hindus (at varanasi) was immense; none were spared e&cept women and children, and the carnage of men went on until the earth was weary.'

इसी वक्त सारनाथ के भिक्षुओं का भी नरसंहार हुआ था। गोरी के सिपहसालार कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 ई. में कोल (आधुनिक अलीगढ़) में ब्राह्मणों की वो हालत की थी कि उनके मुंडों की तीन मीनारें- तत्कालीन इतिहासकार हसन निज़ामी के शब्दों में, 'as high as heaven'- खड़ी कर दी गई थीं और उनके शव शिकारी गिद्धों का खाद्य बन गए थे। 1196 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक ने तत्कालीन गुजरात की राजधानी पाटन में राजा करन से लड़ते हुए शहर में जो आतंक मचाया उसके बारे में यही इतिहासकार लिखता हैः 'fifty thousand infidels were dispatched to hell by the sword.'

बल्बन और अलाउद्दीन खिलजी की तो कुख्यात हैं ही। फीरोजशाह तुगलक ने जाजनगर में अपने किए के बारे में कुछ लिखा है : 'The swordsmen of Islam turned the island into abasin of blood by the massacre of the unbelievers.' हिंदू औरतों के बारे में सिरात-ए- फिरूजशाह लिखता है : 'Women with babies and pregnant ladies were haltered, manacled, fettered and enchained, and pressed as slaves into service in the house of every soldier.'

फरिश्ता कांगड़ा में फिरोजशाह तुगलक की वीरता यों बखानता है : 'ज्वालामुखी की मूर्तियों का सुल्तान ने विध्वंस किया, उसके टुकड़ों को गायों के मांस में मिलाकर ब्राह्मणों के गले में थैले की तरह बांध दिया।'

गुलबर्गा और बीदर के बहमनी सुल्तान हर साल एक लाख हिंदू आदमी-औरतों-बच्चों को मारना एक meritorious काम समझते थे। 1399 में तैमूर के अत्याचार इस तलवार-गाथा को शीर्ष पर पहुंचा देते हैं। तुज़्के-तिमूरी में लिखा है : 'In a short span of time all the people in the fort were put to the sword, and in the course of one hour the heads of 10,000 infidels were cut off. The sword of Islam was washed in the blood of the infidels.'

दिल्ली से पहले लोनी में तैमूर की सेना ने कुछ मुस्लिमों को भी बंदी बना लिया था। तैमूर ने आदेश दिया कि 'The Musalman prisoners should be separated and saved, but the infidels should all be dispatched to hell with the proselytizing sword.'

दिल्ली के आक्रमण में तलवार की इस तानाशाही को तुज़्के तिमूरी में स्वयं तैमूर ने यों लिखा : I proclaimed throughout the camp that every man who had infidel prisoners should put them to death.

पूरे मध्यकाल में जजिया ब्राह्मणों पर ही प्रथमतः और प्रमुखतः लगाया जाता था। और वसूलने का तरीका था मुँह खोलकर बैठने को विवश कर दिये गये ब्राह्मणों के मुँह में थूकना। पुर्तगाली साम्राज्यवादियों ने गोआ में ब्राह्मणों का जो नरसंहार किया वह याद है? सेंट - ऐसे हत्यारों को सेंट कहने पर इनकी भाषा आत्महत्या क्यों नहीं कर लेती- फ़्रांसिस ज़ेवियर 1542 में गोआ पहुँचने पर क्या सिद्धान्त प्रतिपादित किये थे : without Brahmins, Hindus would convert more easily. 1560-1812 तक ब्राह्मणों का पोर्तुगाली क्षेत्रों से उन्मूलन किया गया। लगभग तीन शताब्दी तक। ब्राह्मण कोई कार्यालय नहीं जा सकते थे। उन्हें अपने बच्चों को जेसुइट्स के पास छोड़ना पड़ता था ताकि उन्हें कन्वर्ट किया जा सके। उनके मंदिर ध्वस्त कर दिये गये थे।

क्या पेरियार के वक्त ब्राह्मणों पर हिंसक आक्रमण नहीं हुए जिन्होंने उन्हें सामूहिक पलायन (मॉस माइग्रेशन) के लिए वैसे ही बाध्य कर दिया जैसे काश्मीरी पंडितों को कर दिया गया। गोआ के पुर्तगालियों ने ब्राह्मणों का ही नरसंहार किया था।

(- - जारी)

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

AI - अपडेट

चैटजीपीटी ट्रांसलेट लॉन्च, जरूरत के अनुसार 50 से ज्यादा भाषाओं में करेगा अनुवाद

चैटजीपीटी ट्रांसलेट अभी लगभग 50 से ज्यादा भाषाओं में अनुवाद कर सकता है। इसमें हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाएं शामिल हैं।

OpenAI ने एक और नया टूल लॉन्च कर दिया है जो बहुत से लोगों के लिए बेहतर साबित हो सकता है। ChatGPT Translate नाम से आए टूल का मुख्य काम अनुवाद करना है, लेकिन इस टूल की सबसे खास बात है कि यह जरूरत देखकर अनुवाद करता है। उदाहरण के लिए आप किसी आर्टिकल को बिजनेस के लिए फॉर्मल ट्रांसलेट करवा सकते हैं

जबकि बच्चों के लिए उसे और आसान भाषा में तैयार कराया जा सकता है।

चैटजीपीटी ट्रांसलेट का इंटरफेस, गूगल ट्रांसलेट जैसा ही है। इसमें दो बॉक्स हैं। एक बॉक्स में कंटेंट डालना होगा। दूसरे बॉक्स में आप भाषा का चुनाव करेंगे, जिसमें आपको ट्रांसलेशन चाहिए। वैसे तो चैटजीपीटी में पहले से ट्रांसलेशन की सुविधा मिल रही थी, लेकिन अब इसे एक अलग प्रोडक्ट के तौर पर ले आया गया है। यह वेबसाइट और मोबाइल दोनों पर काम करेगा। एनबीटी टेक ने जब इस टूल को टेस्ट किया तो यह वेब ब्राउजर पर काम कर रहा था। ओपनएआई ने इस टूल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। यह भी नहीं बताया है कि उसने इसमें कौन सा मॉडल इस्तेमाल किया है।

इन भारतीय भाषाओं में सपोर्ट: चैटजीपीटी ट्रांसलेट अभी हिंदी, मराठी, पंजाबी, गुजराती, तमिल, तेलेगु, ऊर्दू जैसी प्रमुख भारतीय भाषाओं को सपोर्ट कर रहा है। यानी यह लगभग सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में अनुवाद की सुविधा दे रहा है।

इसमें टेक्स्ट, इमेज और वॉइस ट्रांसलेशन की सुविधा देने की बात कही गई है। यह फीचर अगले कुछ दिनों में आ सकते हैं। अच्छी बात यह है कि ट्रांसलेशन को अपने मुताबिक बदला जा सकता है। गूगल ट्रांसलेशन में एक बार जो ट्रांसलेट हो जाता है, वह बदला नहीं जाता। चैटजीपीटी ट्रांसलेशन में आप एआई से यह कह सकते हैं कि उसे किस अंदाज में बदले। यह फीचर भविष्य की ओर इशारा करता है जिसका मुख्य मकसद किसी बात को सिर्फ अनुवाद की शक्ल में पेश ना करके उसे आसान और समझने वाली बातचीत में बदलना है।

सुविचार

अहंकार और संस्कार
में फर्क है, अहंकार दूसरों को
झुकाकर खुश होता है, संस्कार
स्वयं झुककर खुश होता है। !!
–अज्ञात

निशाना

कर्तव्य नहीं बस हमें अधिकार चाहिए..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

कर्तव्य नहीं बस हमें, अधिकार चाहिए,
जो गलत को सही कहे, सरकार चाहिए,
चार कदम जमीं पर, वो चल भी न सकें,
हरदम पालकी ढोने उन्हें, कहार चाहिए,
यह पेट है भरता नहीं, गजब की भूख है,
आज खाने को इन्हें पूरा, संसार चाहिए,
चार चमचे आगे हों, और चार हों पीछे,
यों चाटुकारों से सजा, दरबार चाहिए,
आखिर जो बीज बो रहे, वही तो उगेगा,
फसल की जगह इन्हें, खरपतवार चाहिए,
आग लिए घूमते हैं, हरदम ये हाथ में,
गुलशन में गुल नहीं इन्हें, खार चाहिए,
नैया को इस तूफान में, जो पार लगा दे,
ऐसी इस भंवर में कोई, पतवार चाहिए,
मिमयाते रहो दोस्त तो, यहां सुनता कौन है,
अब यहां मिन्नतें नहीं, ललकार चाहिए।

नॉलेज

भारत की बड़ी छलांग, इंटरनेट यूजर्स की संख्या 95 करोड़ पार

डिजिटल दुनिया में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। देश में इंटरनेट चलाने वालों की संख्या 95 करोड़ के आंकड़े को पार गई है। इस बढ़ोतरी के बड़े कारणों में शामिल है देश का ग्रामीण यूजर जिसके पास इंटरनेट की पहुंच बढ़ी है। इसके अलावा शॉर्ट वीडियो का चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण भी इंटरनेट चलाने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। IAMAI के 2025 के डेटा में यह जानकारी मिली है। देश में मौजूदा समय में 95.8 करोड़ एक्टिव इंटरनेट यूजर्स हैं। 2024 के मुकाबले यह संख्या 8 फीसदी अधिक है। रिपोर्ट का एक पहलू यह भी है कि देश की आबादी का 38 फीसदी यानी करीब 57.9 करोड़ लोग अभी भी इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करते हैं। इसमें हर साल धीरे-धीरे कमी आ रही है।

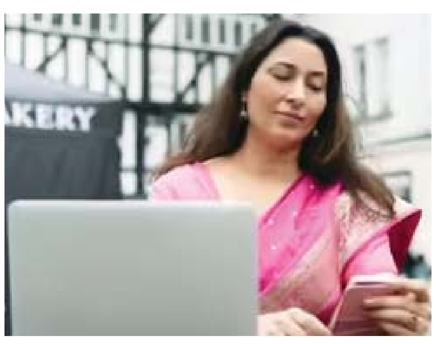

रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट को बूम देने में शॉर्ट वीडियो की भूमिका अधिक है। पिछले साल देश के कुल एक्टिव इंटरनेट यूजर्स में से 58.8 करोड़ ने शॉर्ट वीडियो देखे, जो इसका 61 फीसदी है। शहर से ज्यादा ग्रामीण यूजर्स शॉर्ट वीडियो अधिक देख रहे हैं। युवा वर्ग सबसे ज्यादा शॉर्ट वीडियो देख रहा है। IAMAI की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल भी लोगों की इंटरनेट की तरफ लेकर जा रहा है। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म को आप ब्लिंकिंग, जैप्टो की तरह समझ सकते हैं जो तेजी के साथ अपने ग्राहकों को डिलिवरी देते हैं। रिपोर्ट बताती है कि शहरी यूजर्स में से 23 करोड़ लोग ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे हैं। यह शहरी एक्टिव इंटरनेट यूजर्स का 65 फीसदी है। यानी आधे से ज्यादा शहरी इंटरनेट चलाने वाले ऑनलाइन शॉपिंग पर भरोसा करते हैं और उसके लिए इंटरनेट को इस्तेमाल करते हैं।

शहरों से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स गांवों में: रिपोर्ट का यह पहलू सबसे महत्वपूर्ण है, जिसके अनुसार, देश में कुल एक्टिव इंटरनेट यूजर्स में से 57 फीसदी यानी 54.8 करोड़ यूजर्स ग्रामीण इलाकों से हैं। इससे पता चलता है कि देश में डिजिटल तरक्की किस रफ्तार से हो रही है और लोग इंटरनेट से जुड़ रहे हैं। शहरों के मुकाबले गांवों में लोग चार गुना तेजी से इंटरनेट अपना रहे हैं भले लोग कहते हों कि एआई से कोई फायदा नहीं, फिर भी इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के कुल इंटरनेट यूजर्स में से 44 फीसदी, एआई फीचर्स को इस्तेमाल कर रहे हैं। ज्यादा 'वॉइस सर्च' किया जा रहा है। फिर एआई से फोटो बनवाई जा रही है। उसके अलावा, चैटबॉट के साथ बातचीत भी खूब हो रही है। 15 से 44 साल के लोग एआई का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं।

इंटरनेट ने बढ़ा दी गैजेट्स की डिमांड: रिपोर्ट की एक खास बात यह भी है कि इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से एक से ज्यादा गैजेट चलाने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। देश में 19.3 करोड़ ऐसे इंटरनेट यूजर्स हैं जो एक से ज्यादा डिवाइस का इस्तेमाल करते हैं। यह कुल एक्टिव इंटरनेट यूजर्स का 20% है, जो 2024 में 16.5 करोड़ था। शहरी इलाकों में 31% लोग मल्टी-डिवाइस यूजर हैं, जबकि ग्रामीण भारत में यह संख्या 12 फीसदी है और इसमें इजाफा हो रहा है।

अजब - गज़ब

डेढ़ करोड़ में खरीदा भुतहा घर, अदृश्य ताकतों के कारण खौफ में सिमटकर रह गई जिंदगी

कई लोग अपने सपनों का घर पाने के लिए सालों इंतजार करते हैं, लेकिन सोचिए अगर वही सपना धीरे-धीरे डर में बदल जाए तो क्या होगा? ऐसा ही कुछ इंग्लैंड के एसेक्स में पली-बढ़ी वैनेसा मिचेल के साथ हुआ। जिस पुराने घर को वह बचपन से देखकर दीवानी हो गई थीं, वही आगे चलकर उनकी जिंदगी का सबसे डरावना अनुभव बन गया।

वैनेसा मिचेल का बचपन इंग्लैंड के प्राचीन गांव सेंट ओसिथ में बीता। गांव के पास स्थित 16वीं सदी की एक पुरानी इमारत, जिसे लोग 'द केज' के नाम से जानते हैं, उसे देखकर वह हमेशा आकर्षित होती थीं। हालांकि इस घर को लेकर यह चर्चा आम थी कि यह जगह भूतिया है और यहां किसी ने आत्महत्या भी की थी, फिर भी वैनेसा ने इसे बिना सोचे समझे ही खरीद लिया। द मिरर के अनुसार, वैनेसा का कहना था- 'मैं ऐसे गांव में रहती हूं जहां लगभग हर पुरानी इमारत के बारे में कहा जाता है कि वह भूतिया है, फिर मुझे क्यों डर लगता? '

'द केज' का खौफनाक इतिहास: 'द केज' कहे जाने वाले इस घर का इतिहास काफी ज्यादा खतरनाक है। यह इमारत 1500 के दशक में चुड़ैलों की जेल के रूप में इस्तेमाल होती थी। यहां कई महिलाओं को जादू-टोना के आरोप में कैद भी किया गया था। इतिहासकारों के अनुसार, इस गांव में कुल 14 महिलाओं को चुड़ैल बताकर दोषी ठहराया गया, जिनमें सबसे पहली थीं उर्सुला केम्प। उर्सुला एक गरीब दाई थीं, जिन पर एक बच्चे की मौत का आरोप लगाया गया और बाद में उन्हें फांसी दे दी गई।

घर में कदम रखते ही बदला माहौल: 2004 में वैनेसा ने यह ऐतिहासिक घर करीब डेढ़ करोड़ में खरीदा और अपनी दोस्त निकोल के साथ वहां रहने लगीं, लेकिन चाबियां मिलने के महज 24 घंटे के भीतर ही उन्हें अजीब-अजीब एहसास होने लगे। एक दिन जब वह रसोई में चाय बना रही थीं, तो उन्हें लगा कि निकोल कमरे में आई है, लेकिन पीछे मुड़कर देखा तो वहां कोई नहीं था। उसी पल उन्होंने आंखों के कोने से एक बड़ा काला साया देखा जो धीरे-धीरे उनके पीछे से गुजर गया। शुरुआत में वैनेसा ने इसे नजर का धोखा समझकर नजर अंदाज किया, लेकिन समय के साथ घटनाएं बढ़ती चली गईं। - बिना छुए नल खुद-ब-खुद खुल जाते, दरवाजे जोर से खुल जाते, अजीब आकृतियां दिखाई देतीं और एक बार तो घर में खून जैसे दाग भी नजर आए। सबसे डरावना अनुभव तब हुआ जब वैनेसा गर्भवती थीं और उनके अनुसार किसी अदृश्य ताकत ने उन्हें धक्का दे दिया, जिसके बाद घर में रहना उनके लिए भय का कारण बन गया।

एक कमरे में सिमट गई जिंदगी: डर के कारण उनकी दोस्त और उसका साथी घर छोड़कर चले गए। वैनेसा अपने छोटे बेटे के साथ सिर्फ एक कमरे में रहने को मजबूर हो गईं। चार साल तक इस डर के साथ जीने के बाद उन्होंने आखिरकार घर छोड़ दिया। उनके जाने के बाद भी यह घर 9 साल तक नहीं बिका। बाद में उन्हें पता चला कि उनसे पहले भी जो लोग इस घर में रहे, कोई भी तीन साल से ज्यादा टिक नहीं पाया। द मिरर के अनुसार, 2025 में यह घर ऑस्ट्रेलिया की पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर एमीज क्रिप्ट और उनके पार्टनर ने खरीदा। उन्होंने बताया कि वह इस इमारत को एक ऐसे स्थान में बदलना चाहती हैं, जहां आत्माएं सुरक्षित महसूस करें, साथ ही इसकी ऐतिहासिक विरासत भी बनी रहे।

न्यूज विंडो

कॅरियर मेले में विद्यार्थियों की समस्याओं का किया समाधान

सिरोंज। सांदीपनि विद्यालय में इन दिनों 5 दिवसीय करियर मेले का आयोजन किया जा रहा। मेले के तृतीय दिवस शासकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय सिरोंज से प्राध्यापक डॉक्टर युवराज जाटव, महेशचंद्र परमार एवं सागर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कालेज भोपाल से अरुण मालवीय ने विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं का कैरियर से संबंधित जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं का समाधान किया। मेले के चतुर्थ दिवस विद्यालय के पूर्व छात्र नेपेंद्र चौरे का मार्गदर्शन बच्चों को मिला।वे वर्तमान में पेरा एथलेटिक्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश के कोच मैनेजर है और पेरा ओलंपिक के विदिशा जिले के जिला सचिव के पद पर आसीन है। उन्होंने बच्चों खेल से जुड़ी अनेक जानकारियां दी। इनके साथ ही पूर्व छात्र रवि विश्वकर्मा जो वर्तमान में बीना गुड़ी मिलिट्री स्टेशन पश्चिम बंगाल में पदस्थ हैं ने भी केरियर निर्माण से जुड़ी अनेक जानकारियां दी। प्राचार्य महेश कुमार ताम्रकार के द्वारा दोनों पूर्व छात्रों का शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की केरियर प्रभारी आशिया अंजुम, वरिष्ठ शिक्षक सत्यनारायण शर्मा, संजीव माथुर, अब्दुल् हसीब, करण विश्वकर्मा, शान मियां, भारती सक्सेना एवं पूजा पवार ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया।

चौरावर के विद्यार्थी का विज्ञान मॉडल संभाग स्तर पर चयन

गंजबासौदा। समीपस्थ ग्राम चौरावर के विद्यार्थी अंश यादव कक्षा सात का विज्ञान मॉडल ब्लॉक, जिला स्तर पर चयन के पश्चात 29 जनवरी गुरुवार को भोपाल संभाग स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में भोपाल संभाग से चयन हुआ है। अब अंश यादव का वाटर सरकुलेशन मॉडल राज्य स्तर पर अपने विद्यालय एवं जिले का प्रतिनिधित्व करेगा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं छात्र के मार्गदर्शक विज्ञान शिक्षक संजीव रघुवंशी ने बताया कि विद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि उनके विद्यालय के छात्र का चयन राज्य स्तर प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इसके पूर्व भी माध्यमिक विद्यालय चोरावर को स्वच्छ विद्यालय का एवं लोक शिक्षण संचनालय भोपाल से विद्यालय के सौंदर्यकरण एवं सुदृडीकरण का पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। छात्र की इस उपलब्धि के लिए ग्राम वासियों ने विद्यालय के शिक्षकों और छात्र को बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक राजाराम अहिरवार ,अनिल शर्मा ,भुवनेश्वर शर्मा, छाया, उमाशंकर विश्वकर्मा, छात्र के माता पिता एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

न्यू दिल्ली पब्लिक हाईस्कूल के वार्षिक उत्सव पर बांटे पुरस्कार

गंजबासौदा। स्थानीय न्यू दिल्ली पब्लिक हाई स्कूल में आयोजित वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव उपस्थित रहीं। जबकि अध्यक्षता डॉ एके जैन, प्रांतीय अध्यक्ष मानव अधिकार, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संगठन भारत ने की। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं इंका नेता कैलाश नारायण सक्सेना की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना एवं आराधना से किया गया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने शिक्षाप्रद, संस्कारयुक्त तथा वर्तमान परिवेश की घटनाओं पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से भरपूर सराहना मिली। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा भारत की प्राचीन गाथाओं का जीवंत मंचन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मुख्य अतिथि शशि यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियां संस्था के समर्पित शिक्षक-शिक्षिकाओं के परिश्रम और समर्पण का प्रमाण हैं। समारोह के दौरान संस्था में वर्षभर विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को 200 से अधिक पुरस्कार प्रमाण पत्र, मोमेंटो, मॉडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। वंशिता तिवारी की प्रभावशाली कविता पाठ ने उपस्थित जनसमुदाय में विशेष उत्साह भर दिया। संस्था के उपप्राचार्य सौरभ जैन ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, वहीं प्राचार्य अनिल शर्मा ने अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बापू की पुण्यतिथि पर निस्वार्थ सेवा करने वालों का किया सम्मान

इटारसी। सेठ लखमीचंद गोठी धर्मशाला ट्रस्ट द्वारा स्थापित बापू प्रवास स्मृति कक्ष में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निःस्वार्थ सेवा देने वाले समाजसेवियों का भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने समाजसेवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, विशेष अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, संयोजक सुधीर गोठी, गोठी धर्मशाला ट्रस्ट, नर्मदापुरम पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद पगारे, उद्योगपति सतीश सांवरिया, दिनेश गोठी, हेमंत शुक्ला, और जिला भाजपा पिछड़ा वर्ग से जयकिशोर चौधरी, नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, नगरपालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, डॉ. कश्मीर सिंह उप्पल, ज्ञानेंद्र पांडे, विनोद सीरिया, कमल दर्डा, केके सोनी, वरिष्ठ पत्रकार अनिल मिहानी, किसान नेता विजय बाबू चौधरी, जसबीर छाबड़ा, राजकुमार दुबे और अशोक जैन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि गांधी जी के विचारों पर आज पूरा देश चल रहा है।

बीती रात सिरोंज के कपड़ा बाजार में आगजनी की घटना

शार्ट-सर्किट से दो टेलर की दुकानों में लगी भीषण आग, सामान जलकर हुआ खाक

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

कपड़ा बाजार जामा मस्जिद से सटकर बनी दो टेलरों की दुकानों में गुरुवार-शुक्रवार की रात में भयानक आग लग गई। शाटशर्किट से लगी इस आग से दोनों दुकानदारों को लाखों के नुकसान की आशंका है। कपड़ा बाजार में स्थित शमा टेलर और एवर स्मार्ट टेलर शहर में बड़े टेलर है। दोनों ही अधिकतर दुल्हे के सूट बनाते हैं और बेचते हैं। शादियों का सीजन होने के कारण दोनों ही दुकानों में रात 1 बजे तक काम चलता रहा और फिर वे दुकान बंद करके चले गए। सुबह करीब 4 बजे घने कोहरे के बीच समीप स्थित पुलिस चौकी पर तैनात जवानों को कुछ जलने की बदबू आई तो वे अलर्ट हुए। उन्हें धुआं तो दिखाई नहीं दिया लेकिन शटर के पास जाकर देखा तो आग की लपटे दिखाई दीं। उन्होंने तुरंत ही दोनों दुकानदारों और आसपास के लोगों को सतर्क किया। मौके पर सबसे पहले सिरोंज नपा की दमकल पहुंची और फिर कुरवाई और बीना की फायर गाड़ियों को भी बुलाया गया। उजाला होने तक दुकानों की आग पर काबू तो कर लिया गया लेकिन तब तक इनमें रखे लाखों रूपए के कपड़े और मशीने पूरी तरह जल चुके थे। आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। आग की लपटे की इतनी भयंकर थी कि उनकी तपन से दोनों की दुकानों की छत पर लगे गर्डर और पत्थर की फर्शियां टूट गई हैं। फर्शियों के टुकड़े भी दुकानों में बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं। इन हालातों में अब इन दोनों ही दुकानौ का उपयोग छत के दोबारा निर्माण के बाद ही हो सकेगा। दोनों ही दुकानों पर लगा लकड़ी का कीमती फर्नीचर भी जलकर खाक हो गया है।

लाखों रुपए का हुआ नुकसान

दुकानों की शटर लगी होने के कारण लपटे अंदर ही अंदर धंधकती रही। पुलिस के जवान और नपा अमला तुरंत ही अलर्ट नहीं होता तो इस आग से आसपास का इलाका भी प्रभावित हो सकता था। इसकी वजह है आसपास कपड़े की बड़ी दुकाने होना है। दोनों ही टेलर शादियों के सीजन में प्रमुख टेलर हैं। दुल्हे का सूट, शेरवानी और जैकेट बनाने के साथ ही बेचते भी हैं। दुकानदार हसीब खान फूलमियां ने बताया कि 500 से ज्यादा सिले हुए महंगे सूट, 300 सूट के कपड़े, 113 कोट-पेंट और 100 से ज्यादा जैकेट के साथ ही 9 सिलाई मशीन और 2 इंटरलाक मशीन खाक हो गई है। इनकी कीमत 40 से 45 लाख रूपए है। वहीं एवर स्मार्ट शॉप के संचालक जहीर अहमद ने भी 40 लाख के नुकसान की बात कही है

बैंक के कैशियर ने किया था 18.61 लाख का गबन, पांच साल की कैद

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर के गांधी नगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का नाम एक कैशियर की वजह से बदनाम हो गया है। इस बैंक में कैशियर के पद पर कार्यरत योगेश दहाट ने वर्ष 2021 एवं 2022 में कॉवेन्ट स्कूल के खाते में हेराफेरी कर करीब 18 लाख 61 हजार रुपये की राशि का गबन किया था। आरोपी ने कॉवेन्ट स्कूल के बच्चों की फीस की राशि ली, लेकिन खाते में जमा नहीं करके स्वयं उपयोग कर ली। जब इस मामले की जांच की गई तो पता चला कि केशियर योगेश ने राशि बैंक में जमा ही नहीं की। जिसके बाद बैंक अधिकारियों ने सिटी थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। जिसके बाद मामला न्यायालय में पहुंचा था। इस मामले की सटीक पैरवी अपर लोक अभियोजक भूरेसिंह भदौरिया ने की। उन्होंने आरोपी योगेश के खिलाफ न्यायालय में ठोस 14 गवाह और 96 से अधिक दस्तावेज पेश किये। जिसके आधार पर प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिता खजुरिया ने आरोपी योगेश दहाट को पांच धारा 420 में 3 वर्ष की सजा, धारा 467 में 5 वर्ष,468 में 3 वर्ष, धारा 471 में 5 वर्ष एवं धारा 409 में 5 वर्ष की सजा से और सभी धाराओं में 10 हजार रुपये का जुर्माना किया है। आरोपी को सजा सुनाने के बाद उसे न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है।

फुटबॉल का महासंग्राम में आज होंगे सेमी फाइनल मुकाबले

इटारसी। दोपहर मेट्रो

स्व. पंकज गोयल की स्मृति मैं फाइटर फुटबॉल क्लब एवं जिला फुटबॉल संघ नर्मदापुरम द्वारा आयोजित ऑल इंडिया फुटबॉल नर्मदापुरम गोल्ड कप का शुभारंभ साईं कृष्णा रिसोर्ट के सामने श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया, खेल प्रशाल मैदान खेड़ा इटारसी पर किया गया है। फाइटर फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष सत्यम अग्रवाल एवं फाइटर फुटबॉल क्लब के कोच भागवत सिंह राजपूत ने बताया कि प्रतियोगिता के पांचवें दिन शुक्रवार का प्रथम क्वार्टर फाइनल मैच को डायमंड रॉक बालाघाट बनाम तमिलनाडु पुलिस के मध्य खेला गया, इस संघर्ष पूर्ण मुक़ाबले में दोनों ही टीमें 1-1 की बराबरी पर रही। डायमंड रॉक बालाघाट पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 के स्कोर से विजय रही। प्रतियोगिता के पांचवें दिन का दूसरा क्वार्टर फ़ाइनल मैच बिल्डअप रायसेन बनाम अहीर क्लब नीमच के मध्य खेला गया इस मुक़ाबले में 5-0 के स्कोर से बिल्डअप रायसेन विजय रही।

आरटीओ ने किया नए बस स्टैण्ड का निरीक्षण

छत्रपति शिवाजी बस स्टैंड में कल से होगा बसों का संचालन

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। शुक्रवार शाम आरटीओ रिंकू शर्मा ने नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, एसडीएम नीलेश शर्मा, एसडीओपी वीरेंद्र मिश्र, सीएमओ रितु मेहरा और उपयंत्री आदित्य पांडे के साथ पुरानी इटारसी स्थित छत्रपति शिवाजी बस स्टैंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरटीओ ने स्पष्ट किया कि 1 फरवरी से बसों का संचालन अनिवार्य रूप से इसी स्टैंड से प्रारंभ हो जाएगा।

वही नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालको पर सख्त कार्यवाही करने की हिदायत भी दी है। आरटीओ रिंकू शर्मा ने बस संचालकों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। अब बसें बाजार क्षेत्र में मौजूद पुराने बस स्टैंड पर नहीं जाएंगी और ओवरब्रिज पर भी बसों का स्टॉपेज पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों के विरुद्ध तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती दिनों में आरटीओ का स्टाफ मौके पर तैनात रहेगा ताकि व्यवस्था सुचारू बनी रहे। यह निर्णय विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा द्वारा 27 जनवरी को आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद लिया गया है। विधायक ने स्पष्ट किया था कि जनहित में 1 फरवरी से नए बस स्टैंड का संचालन शुरू किया जाना है। आरटीओ का कहना है कि संचालन के दौरान आने वाली छोटी-मोटी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

वार्षिक खेल दिवस समारोहः उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किया सम्मानित

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

गोल्डन कैरी पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल द्वारा आयोजित वार्षिक खेल दिवस समारोह में विद्यालय परिसर खेल भावना, अनुशासन और उत्साह से सराबोर नजर आया। यह विद्यालय खेलों का महोत्सव प्रतियोगिता में लगातार 5 वर्षों से अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। कार्यक्रम के दौरान 500 से अधिक विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन में नगर के गणमान्य नागरिकों एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रार्थना चौहान, राजकुमार श्रीवास्तव , सुनील खामरा , शैलेन्द्र जैन, सरोज गिरी , नरेश जाटव , बहादुर पाल , पप्पू साहू , रवि पवार , अजय सांगते, नीरज सराते, हेमंत करोसिया , नवल किशोर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नवल किशोर जी द्वारा दी गई प्रेरणादायक एवं प्रभावशाली विशेष प्रेरक भाषण ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अत्यंत प्रभावित किया। वहीं मीडिया हॉउस प्रतिनिधि मंडल की ओर से - अजय आहूजा, अमित दांगी , अमित श्रीवास्तव , राम भरोसे विश्वकर्मा, राहुल बैरागी की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा बच्चों को पुरस्कारों के साथ-साथ नकद प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। (मीडिया हॉउस की तरफ से) राष्ट्रीय खिलाड़ी अंशुल राजपूत को 1100 की सम्मान राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।वहीं सरोज गिरी द्वारा अंशुल राजपूत को 2100 की राशि से सम्मानित किया गया। सरोज गिरी ने ही जस्टीना सोनवानी को भी 2100 की सम्मान राशि प्रदान की।

चिकित्सा शिविर में 120 से अधिक मरीजों ने लिया लाभ

इटारसी। दोपहर मेट्रो

सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल भोपाल एवं महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक मुस्कान संस्था में आयोजित हुआ। शिविर में 120 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया एवं निःशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश शर्मा ने मरीजों को परामर्श दिया। डॉ. शर्मा ने ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, सांस फूलना, कोलेस्ट्रॉल, मोटापा एवं 40 वर्ष से अधिक आयु के मरीजों की जांच की। शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवानी बादल आचार्य ने महिलाओं को परामर्श दिया। महिलाओं की मासिक धर्म संबंधी समस्याएं, पीसीओडी, हार्मोनल असंतुलन, ल्यूकोरिया, ओवेरियन सिस्ट एवं अन्य स्त्री रोगों की जांच की गई। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विभाग दीप्ति शुक्ला ने बताया कि कलेक्टर सोनिया मीणा के निर्देश पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत प्रत्येक वार्ड में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। मुस्कान संस्था के संचालक मनीष ठाकुर ने डॉक्टरों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

मेट्रो एंकर

एएसआई सर्वे के आधार पर अब हाईकोर्ट भोजशाला का धार्मिक स्वरूप करेगा तय

भोजशाला में कड़ी सुरक्षा के बीच मुस्लिम समाज ने अदा की नमाज

धार। दोपहर मेट्रो

भोजशाला में जुम्मे की नमाज अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे। मुस्लिम समाज के लोग इस बार अधिक संख्या में नमाज अदा करने पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से 800 पुलिस जवानों का बल शहर और भोजशाला के आसपास तैनात किया गया था, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर के साथ एडीएम संजीव केशव पांडेय के साथ प्रशासनीय अमला भी मौके पर तैनात था।

दोपहर 1 बजे से मुस्लिम समाजजनों का आना शुरु हो गया था, तीन बजे भोजशाला में नमाजी नमाज अदा कर शांतिपूर्ण तरीके से रवाना हो गए। सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन से नजर रखी जा रही थी, कोतवाली थाना प्रभारी दिपक सिंह चौहान भी दो पहिया वाहन से पूरे परिसर के आस-पास पेट्रोलिंग कर रहे थे।

कोर्ट ने आदेश दिया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सर्वे रिपोर्ट को आगामी 3 सप्ताह के भीतर खुली अदालत में खोला जाए और इसकी प्रतियां दोनों पक्षों को सौंपी जाएं। यदि रिपोर्ट का कोई हिस्सा कॉपी करने योग्य न हो, तो विशेषज्ञ और अधिवक्ताओं की मौजूदगी में उसके निरीक्षण की अनुमति दी जाए। पक्षकारों को अपनी आपत्तियां या सुझाव दाखिल करने के लिए 2 सप्ताह का समय मिलेगा।

हाईकोर्ट के अंतिम निर्णय तक भोजशाला के मूल स्वरूप में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। 7 अप्रैल 2003 को जारी ASI महानिदेशक का आदेश पूजा-नमाज की व्यवस्था यथावत लागू रहेगा हालांकि शीर्ष अदालत ने मामले की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है, सभी कानूनी दलीलें हाईकोर्ट में खुली रहेंगी। याचिकाकर्ता का मानना है कि 98 दिनों के एएसआई सर्वे के आधार पर अब हाईकोर्ट भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करेगा।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच करेगी सुनवाई

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने धार की ऐतिहासिक भोजशाला से जुड़ी याचिका पर अहम निर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने इंदौर हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के विरुद्ध दायर अपील का निस्तारण करते हुए निर्देश दिया कि अब इस मामले की सुनवाई डिवीजन बेंच द्वारा की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता अधिमानतः मुख्य न्यायाधीश करेंगे।

न्यूज विंडो

धार में अवैध पिस्टल बेचने की फिराक में खड़े युवक को पुलिस ने पकड़ा

धार। कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर एक युवक को अवैध देशी पिस्टल और बिना नंबर की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भक्ताम्बर मार्ग स्थित शगुन गार्डन के सामने एक व्यक्ति अवैध पिस्टल बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा एवं थाना प्रभारी दीपक चौहान के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित कर मौके पर भेजी गई। पुलिस टीम को देखते ही बाइक पर सवार संदिग्ध युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम किशोर पिता पोपडिया चंदाना, निवासी मेमन्दिया सलकनपुर थाना नालछा बताया।तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक देशी पिस्टल बरामद की गई। पुलिस ने अवैध हथियार और बिना नंबर की बाइक को विधिवत जब्त कर लिया है। जब्त किए गए मशरुका की कुल कीमत 35 हजार रुपये आंकी गई है। कार्यवाही में थाना प्रभारी श्री दीपक सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक अरविंद चौहान, अजयसिंह चौहान, मनीष सोलंकी और रामनरेश यादव का विशेष योगदान रहा।

तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल के चारों रेंजों में मूवमेंट

जंगलों में बढ़ रही है तेंदुओं की संख्या जैव विविधता के लिए मौजूदगी अच्छी

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

क्षेत्र के जंगल अब तेंदुओं के स्थायी आवास के रूप में पहचान बना रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में वन विभाग की सक्रियता निरंतर निगरानी और सुरक्षा उपायों के चलते तेंदुआ की संख्या में वृद्धि हुई है। अनुमान है कि वर्तमान में दमोह जिले के जंगलों में लगभग 50 से 60 तेंदुए विचरण कर रहे हैं। तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के तेंदूखेड़ा, झलौन, तेजगढ़, तारादेही चारों रेंजों में इस समय तेंदुए देखें जा रहे हैं। बीते दो सालों से तेंदुओं का मूवमेंट देखा गया है जिससे किसी के लिए यह दहशत का पर्याय है तो किसी के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। लोगों का अपना-अपना नजरिया है।

तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के चारों रेंज का आधा-आधा हिस्सा अब वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में शामिल हो गया है, जिससे जंगलों की कटाई अवैध खनन सहित कई चीजों पर प्रतिबंध लगा है। वन विभाग द्वारा निगरानी भी की जा रही है। अब टाइगर रिजर्व में शामिल होने के बाद चारों रेंज के जंगलों में जानवरों की संख्या वृद्धि हुई है। पहले सिंग्रामपुर के जंगल में ही बस तेंदुए देखे जाते थे, लेकिन अब तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगलों में लगातार तेंदुओं को अलग-अलग स्थानों और वन बीटों में देखा जा रहा है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जंगल में आधा दर्जन तेंदुआ की संख्या है, जो चारों ओर अपना मूवमेंट बनाए हुए हैं। वहीं टाइगर रिजर्व की सीमा चारों रेंज से लगी हुई है। जिससे प्रतीत होता है यह तेंदुआ टाइगर रिजर्व से निकलकर तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के चारों रेंज में अपनी टेरेटरी बना रहे हैं। जानकारों का कहना है कि टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ने के कारण तेंदुआ अपनी टेरेटरी बदल रहे हैं, इसीलिए इनकी मौजूदगी तेंदूखेड़ा के जंगलों में देखी जा रही है। टाइगर रिजर्व में 50 से अधिक तेंदुआ हैं और दमोह जिले में भी 50 के आसपास है यानी कि पूरे टाइगर रिजर्व में तेंदुओं की संख्या 100 से अधिक होने का अनुमान है। टाइगर रिजर्व में 28 से अधिक बाघ इस समय घूम रहे हैं। वहीं 100 से अधिक तेंदुआ हैं फिर भी वह बाघों का सामना नहीं करते हैं अधिकारियों का कहना है तेंदुआ बाघ से बहुत डरता है। इसलिए जिस जगह पर बाघ होता है तेंदुआ उससे काफी दूरी पर रहता है। यह कभी आमने-सामने नहीं आते हैं। यदि बाघ तेंदुआ को दिख जाता है तो वह उस स्थान से काफी दूर चला जाता है, जिससे प्रतीत होता है टाइगर रिजर्व के तेंदुआ अब तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के रेंजों में अपना बसेरा बना रहे हैं।

पेड़ और गुफाएं हैं मुख्य ठिकाना

तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगल में भारी भरकम पेड़ लगे हैं और कई स्थानों पर बड़ी-बड़ी गुफाएं बनी हुई है। साथ ही भरका मौजूद है। तेंदुआ एक ऐसा जानवर है जो पेड़ों पर भी रह लेता है। अधिकारियों की मानें तो तेंदुआ अधिकांश समय गुफा में रहता है, साथ ही पेड़ों की डालियों पर भी अपना बसेरा बना लेता हैं। बीते चार माह पहले ही तारादेही मार्ग पर बहेरिया के समीप पेड़ पर तेंदुआ आराम करते हुए देखा गया था। इसके अलावा 15 से 20 दिन पहले दमोह मार्ग पर कंसा वन चौकी के समीप भी राहगीरों तेंदुए देखा था जिसकी सूचना लोगों ने तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी को दी थी।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर होगी धनपुरी नपा के विकास कार्यों की गाथा प्रदर्शित

शहडोल। दोपहर मेट्रो

मुख्य नगरपालिका अधिकारी धनपुरी सुश्री पूजा बुनकर ने जानकारी दी है कि कॉमनवेल्थ लोकल गवर्नमेंट फोरम के तत्वाधान में भोपाल में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ सस्टेनेबल सिटीज़ इनिशिएटिव कार्यक्रम में धनपुरी नगरपालिका द्वारा किए जा रहे शहरी विकास कार्यों, नवाचारों, सुशासन तथा नागरिक सेवा सुधारों सहित विभिन्न विकास पहलों की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि धनपुरी नगर पालिका के सफल प्रयासों को राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर साझा किया जाएगा। इसी क्रम में सीएमओ धनपुरी को कॉमनवेल्थ लोकल गवर्नमेंट फोरम द्वारा भोपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि कॉमनवेल्थ सस्टेनेबल सिटीज इनिशिएटिव के अंतर्गत तीन दिवसीय राज्य स्तरीय संवाद का आयोजन 3 से 5 फरवरी 2026 तक भोपाल में किया जाएगा। लंदन स्थित अंतरराष्ट्रीय संस्था से प्राप्त यह आमंत्रण धनपुरी नगर पालिका के लिए गौरव का विषय है, जिससे नगर के विकास कार्यों को वैश्विक स्तर पर व्यापक पहचान प्राप्त होगी।

तालाब पर सिंचाई मशीन चालू करते समय किसान को लगा करंट, मौत

तेंदूखेड़ा। महंगवाकला गांव में एक किसान की करंट लगने से मौत का माला सामने आया है। किसान खेत में सिंचाई के लिए तालाब पर मशीन चालू कर रहा था तभी यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने किसान को बेहोशी की हालत में देखा और तत्काल तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी अनुसार मृतक की पहचान महगवाकला निवासी 55 वर्षीय हीरा सींग पिता करन सींग गौड़ के रूप में हुई है। हीरा सींग गौड़ अपने खेत में पानी देने के लिए गांव के पास बने तालाब पर सिंचाई मशीन चालू करने गया था। मशीन चालू करते समय ही उसे करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के चचेरे भाई गजराज गौड़ ने बताया कि दोपहर में हीरा खेत में पानी देने गए थे, इसी दौरान तालाब पर मशीन चालू करते समय उन्हें करंट लगा और उनकी जान चली गई। घटना को लेकर एएसआई गजराज सिंह ठाकुर ने बताया कि किसान की करंट लगने से मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराया गया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है

सोते समय बेटे ने पिता को मारी कुल्हाड़ी, आरोपी गिरफ्तार

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के वार्ड 9 में एक दिलदहला देनी वाली घटना निकल सामने आई है। जहां एक बेटे ने अपने ही पिता को जान से मारने की कोशिश की। घायल का जबलपुर में इलाज चल रहा है। जानकारी अनुसार नगर परिषद में पदस्थ कर्मचारी वार्ड 9 में रहने वाले सोना पिता गोपाल बाल्मीकि उम्र 55 वर्ष को रात 10 बजे उसके छोटे बेटे ने जान से मारने की नियत से कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी कुल्हाड़ी लेकर थाने जा पहुंचा। घटना की जानकारी पुलिस को दी। आरोपी की बात सुनकर थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी व पुलिस स्टाफ घायल के घर पहुंचे और घायल को स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहां से सोना बाल्मीकि उम्र 55 वर्ष को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है जहां पर उसका इलाज चल रहा है वहीं पुलिस ने आरोपी राजकुमार पिता सोना बाल्मीकि को गिरफ्तार कर लिया है बताया जा रहा है आरोपी ने सोते समय इस घटना को अंजाम दिया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और घटना के कारणों का पता कर रही है

कलेक्टर रायसेन के निर्देश पर बनी पांच सदस्यों की टीम

मंडीदीप नगर पालिका में भ्रष्टाचार की जांच शुरू

अजय आहूजा। मंडीदीप

नगर पालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर कलेक्टर के सख्त निर्देश के बाद जांच तेज हो गई है। जानकारी के मुताबीत कलेक्टर के आदेश पर शुक्रवार को एसडीएम गोहरगंज के नेतृत्व में पांच सदस्यीय जांच दल नपा कार्यालय पहुंचा और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी। दल में सीएमओ औबेदुल्लागंज, नपा गैरतगंज के उपयंत्री, लोक स्वास्थ्य विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी शामिल हैं। यह दल संबंधित विभागों से जुड़े कार्यों, दस्तावेजों और आरोपों की गहन जांच करेगा और जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। स्थानीय मीडिया हॉउस के माध्यम से नपा में भ्रष्टाचार को लेकर 6 सूत्रीय शिकायती आवेदन कलेक्टर रायसेन को सौंपा था। शिकायतीं पत्र में कई प्रकार की अनियमितताओं का जिक्र किया गया था। कलेक्टर ने शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए एसडीएम गोहरगंज चंद्रशेखर श्रीवास्तव को जांच दल गठित करने और रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। स्थानीय लोग जांच के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गोहारगंज एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने बताया कि जिला मुख्यालय से मिले निर्देशों के आधार पर नपा कार्यालय मंडीदीप में शुक्रवार से जांच शुरू कर दी है, जांच दल में निकाय के अधिकारीयों के अलावा लोक स्वास्थ्य और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं।

शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहा था जबलपुर, रास्ते में हुआ हादसा

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पाटन तेंदूखेड़ा मार्ग पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना 108 वाहन और डायल 112 मौके पर पहुंची।

जानकारी अनुसार राजेंद्र पिता रामजीलाल गौड़ उम्र 32 वर्ष निवासी खजरी मोहल्ला दमोह जो कि दमोह से जबलपुर शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था, लेकिन रास्ते में अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने घटना की मृतक के परिजनों को दी। परिजन देर रात स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। परिजनों ने बताया कि युवक अपनी साली की शादी में शामिल में होने के लिए दमोह से जबलपुर जा रहा था लेकिन रास्ते में दर्दनाक हादसा हो गया, जहां शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गई। मृतक की पत्नी ने फोन पर बताया वह सुबह ही जबलपुर आई थी और राजेंद्र शाम को आने की कह रहा था। राजेंद्र के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार युवक के सिर का आधा हिस्सा गंभीर चोटिल हो गया और कई जगह तक हिस्से पड़े रहे। साथ ही बाइक सवार युवक हेलमेट पहने हुआ था लेकिन हेलमेट भी कई हिस्सों में टूटकर दूर जा गिरा। बाइक भी सामने से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पहुंचे मौके पर

सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की गई शव को 108 की मदद से स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है आज सुबह युवक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा

सैलाना विधायक की भ्रमण के दौरान पत्रकारों से चर्चा

प्रशासनिक व्यवस्था फेल, बुजुर्ग प्रभारी मंत्री से नहीं संभल रहा शहडोल, छोड़ दें दायित्व: डोडियार

शहडोल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के रतलाम जिले की बहुचर्चित सैलाना विधानसभा से विधायक कमलेश्वर डोडियार का 28 जनवरी से प्रदेश के कई जिलों के भ्रमण पर हैं। जहां शोषित पीड़ित आदिवासियों की हक की आवाज बुलंद करने निकले हैं, यह भ्रमण खास तौर से युवा आदिवासियों की लिए जनजागरण अभियान है इसके मद्देनजर गुरुवार से ब्यौहारी और शहडोल में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इसके उपरांत शुक्रवार संभागीय मुख्यालय शहडोल में पत्रकारवार्ता में पत्रकारों से मुखातिब हुए। उन्होंने सर्वप्रथम जिले में फेल प्रशासनिक तंत्र को लेकर चिंता जताई, और अल्पकालिक दौरे पर आए विधायक डोडियार ने न सिर्फ जिले की नब्ज़ टटोली बल्कि इन सब अव्यवस्थाओं के लिए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री शहडोल के प्रभारी मंत्री हैं और बेलगाम बढ़ते अपराध के लिए उनकी जवाबदेही बनती है। आदिवासी बाहुल्य इलाकों में आदिवासियों का शोषण हो रहा अब तो आदिवासी छात्राएं छात्रवास से गायब हो रही है। आदिवासियों की पुश्तैनी जमीन पर शोरूम तन कर हड़प ली जा रही है, शिकायत के बावजूद अधिकारी दोषियों कार्यवाही करने की जगह बचाने में लगे हुए हैं। जानबूझकर सरकारी तंत्र हाथ में हाथ धरे बैठा है जैसे की शहडोल की सरकार भू-माफिया हिस्ट्रीशीटर चला रहे हैं। विधायक कमलेश्वर डोडियार ने वर्तमान कलेक्टर को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यह कलेक्टर साहब एक साथ 18 पत्रकारों का जिला बदर करने को आतुर दिखे, और हिस्ट्रीशीटर बदमाशो को एक साल से ज़िला बदर करने में पसीना आता हैं। जिला बदर आरोपी को लूट-पाट हत्या करने की छूट कलेक्टर ने देकर रखी है, वहीं कलेक्टर देवलोद से समाजसेवी और अवैध खनन के विरुद्ध आवाज उठाने वाले का जिला बदर करते हैं।

घायल महिला की 12 दिन बाद मौत

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सैलवाड़ा ग्राम में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो जाने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

जानकारी अनुसार 18 जनवरी को घर से खेत जा रही महिला माया पति गुड्डा गौड़ 45 वर्ष निवासी सैलवाड़ा थाना तेंदूखेड़ा को ग्राम में एक बाइक सवार युवक ने टक्कर मार दी थी, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। बाइक चालक युवक भी इस हादसे में घायल हुए था। 108 वाहन की मदद से घायल महिला और युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां महिला को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालात के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। जहां पर महिला का 10 दिन इलाज चलता रहा। 28 जनवरी को महिला की हालत में सुधार आने के चलते छुट्टी दी गई। अचानक शुक्रवार दोपहर में महिला की मौत हो गई। परिजनों ने बताया महिला को 28 जनवरी को जबलपुर मेडिकल कॉलेज से डाक्टरों द्वारा हालत में सुधार आने के चलते छुट्टी कर दी गई थी लेकिन दो दिन बाद महिला ने अपने घर पर दम तोड़ दिया। घटना की सूचना परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई। पुलिस मृतक के घर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों के सुपुर्द कर मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। इस घटना को अंजाम देने वाला बाइक सवार राजेंद्र पिता राम सींग गौड़ 30 वर्ष निवासी बंधना सैलवाड़ा थाना तेंदूखेड़ा भी घायल हुआ था जो कि शराब के नशे में चूर था और तेज रफ्तार व लापरवाही से अपने घर से खेत जा रही महिला को सामने से जोरदार टक्कर मार दी थी। इस हादसे में दोनों घायल हुए थे पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

मेट्रो एंकर

रुद्राक्ष धाम में वाटरप्रूफ कथा पंडाल, 14 बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाईं

श्री राम कथा एवं प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियां पूर्ण, कथा आज से

सागर। दोपहर मेट्रो

रुद्राक्ष धाम मंदिर में आज से 6 फरवरी तक चलने वाली श्री राम कथा एवं श्री दक्षिणमुखी श्री हनुमानजी मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम की व्यवस्थाएं पूर्ण हो चुकी हैं। तैयारियों को मुख्य यजमान पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में अंतिम रूप दिया गया है। आयोजन स्थल के लिए 15 एकड़ भूमि का उपयोग हो रहा है। श्री राम कथा के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धी प्राप्त पं. प्रेमभूषण महाराज के समक्ष प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु सुविधा जनक रूप से बैठ सकेंगे। इसके लिए रुद्राक्ष धाम के सामने स्थित स्टेडियम में वाटरप्रूफ आधुनिक डोम में कथा पंडाल बनाया गया है। कथा पंडाल में 14 बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं जिनसे पीछे तक किसी भी स्थान पर बैठे दर्शकों को एक समान कथा का आनंद आएगा।

भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि 15 एकड़ के मैदान में प्रतिदिन 1 लाख भक्तजन आएंगे। इस दृष्टि से पार्किंग, पेयजल , अस्थायी हॉस्पिटल आयोजन स्थल पर स्थापित किए गए हैं। हरे माधव सेवा समिति सागर एवं खुरई द्वारा निशुल्क जूता चप्पल सुरक्षा सेवा 300 सदस्यों द्वारा की जाएगी।पूरे कैंपस में एल ई दी स्क्रीन लगाई गई हैं। लेडीज जेंट्स के अलग-अलग 100-100 टायलेट्स बनाए गए हैं। प्रशाद वितरण हेतु अलग से पंडाल व्यवस्था की गई है। व्यवस्थाओं में संलग्न सभी वालिंटियर्स ने अपनी व्यवस्था संभाल ली है। सातों दिन 24 घंटे अखंड कीर्तन हेतु पृथक पंडाल बनाया गया है।यज्ञ शाला बनाई गई है जिसमें हवन अनुष्ठान चल रहे हैं। प्रतिदिन 2बजे से 5 बजे तक व्यासपीठ से श्रीराम कथा का वाचन होगा। एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के व्यवस्थित, सुविधा जनक आवागमन के लिए सभी दिशाओं में कुल 50 एकड़ भूमि पर आठ से ज्यादा पार्किंग बनाई गई हैं जिनमें पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों का इंतजाम किया गया है। कथा पंडाल में समुचित बैठक व्यवस्था है जिसमें आगंतुक श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन व सहयोग के लिए बड़ी संख्या में सेवादार तथा सुरक्षा कर्मी उपस्थित रहेंगे। पूरा केंपस सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में रहेगा। चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल , स्वच्छता सहित प्रत्येक आवश्यकता का ध्यान रखा गया है। बाहर से आने वाले संत महात्माओं और विशिष्ट अतिथियों के लिए दो वीआईपी कक्ष बनाए गए हैं। पूरे आयोजन की व्यवस्थाओं की निगरानी और समन्वय के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया गया है।

प्राण-प्रतिष्ठा के लिए आनुष्ठानिक संस्कार जारी

तैयारियों के बीच श्री दक्षिणमुखी हनुमान जी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के विभिन्न अनुष्ठान प्रांगण में बनाई गई यज्ञशाला में प्रतिष्ठाचार्य श्री महाकालेश्वर मंदिर से पं संजय पुजारी, रावतपुरा सरकार से पं सुनील जी महाराज सहित 31 विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा मुख्य यजमान पूर्व गृहमंत्री खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह की सपरिवार उपस्थिति में प्रतिदिन संपन्न कराए जा रहे हैं।

वर्ल्ड कप के अंतिम संयोजन का चयन आज

टीम की लय के लिए घातक प्रयोग आखिर क्यों.?

टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच आज 5 मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। टी20 विश्व कप से पहले वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया का यह आखिरी मैच होगा।टी20 विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी टीम इंडिया इस मैच में तिलक वर्मा और सुंदर की गैरमौजूदगी में अपने फाइनल संयोजन पर दांव खेल सकती है।वहीं ऐसा ही कुछ संयोजन न्यूजीलैंड की टीम भी आजमा सकती है।

दरअसल7 फरवरी को टी20 विश्व कप की शुरुआत हो रही है और इससे पहले दो दमदार टीम कब बीच यह आखिरी मुकाबला होगा।सही मायने में दोनों ही टीमों के अंतिम एकादश को आजमाने ओर परखने के यह आखिरी मौका रहने वाला है।हालांकि वर्ल्ड कप के ग्रुप मैचों में भी दोनों टीमों के लिए तरह तरह के प्रयोगों की गुंजाइश रहेगी,लेकिन पूल में ताकतवर टीमें न होने की वजह से उन मैचों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन बड़े मैचों के मापदंड तय करने के लिए नाकाफी रहेगा।गौरतलब है कि वर्ल्ड कप के ग्रुप मैचों में जहां टीम इंडिया पाकिस्तान के अलावा नामीबिया,नीदरलैंड और यूएसए से खेलेगी,जबकि न्यूजीलैंड टीम का सामना अफ्रीका,कनाडा,यूएई और अफगानिस्तान से होगा।सही मायने में 5-5 टीमों वाले चारों ग्रुप में न्यूजीलैंड टीम वाले ग्रुप डी में ही कुछ रोमांचक नतीजे देखने को मिल सकते हैं।खैर यह सब बातें तो वर्ल्ड कप की शुरुआत के बाद होंगी,लेकिन सच तो यह है कि दोनी टीमों के बीच आज की भिड़ंत का सबसे दिलचस्प पहलू इन टीमों की अंतिम एकादश के संयोजन के इर्द गिर्द रहेगा।अगर हम मौजूदा पूरी सीरीज पर नजर डालें तो फिर दोनों ही टीमों की एकादश की असल चिंता ओपनर बल्लेबाज की नाकामी और एक गेंदबाज बनाम आलराउंडर की अदला बदली पर ही केंद्रित रही है।भले ही टीम इंडिया सीरीज में 3-1 से बढ़त बना चुकी है,लेकिन टीम मैनजमेंट का गेंदबाजों को लेकर किया गया लगातार प्रयोग यही जताता है कि गेंदबाज,आलराउंडर और बल्लेबाजों की संख्या के गणित में वह अभी भी संशय में है। शायद इसी वजह से चौथे टी20 मैच में टीम मैनजमेंट ने प्रयोग करते हुए पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया तथा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई।यह प्रयोग वाकई समझ से परे था,क्योंकि इस तरह के प्रयोग करने के लिए लंबे समय वाद धमाकेदार वापसी करने वाले ईशान किशन की लय को ब्रेक देना पड़ा।यह बात सभी अच्छी तरह जानते ओर समझते हैं कि टीम इंडिया के जीत का मूल मंत्र उसकी दमदार बल्लेबाजी में है तो फिर किसी भी तरह के प्रयोग के लिए टॉप 4 से छेड़खानी क्यों..? अब जब सीरीज आखिरी मुकाम पर है तो आज के मैच में भी लगातार कसौटी पर रहे सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर एक बार फिर सभी की नजरें रहेंगी। मेरे नजरिये में आज के मैच में टीम इंडिया को अपने फाइनल संयोजन यानी 5 बल्लेबाज,3 आलराउंडर और 3 प्रमुख गेंदबाजों के साथ मैदान उतर सकता है।वर्ल्ड कप के ठीक पहले किसी भी अहम खिलाड़ी को रेस्ट या फिर प्रयोग के मद्देनजर मैच से दूर रखना उसके वर्ल्ड कप की लय के लिए नुकसानदेह हो सकता है।टीम मैनजमेंट के जहां में क्या है यह तो आज की एकादश के चयन से ही पता चलेगा,लेकिन एक बात तय है कि अगर आज के मैच में भी टीम इंडिया को अपने अटपटे प्रयोगों की वजह से हार का सामना करना पड़ा तो यह वर्ल्ड कप के बड़े मैचों लिए कतई शुभ संकेत नहीं होंगे।मतलब एकदम साफ है कि आज के मैच में भले ही निगाहें सैमसन पर टिकी हों लेकिन टीम इंडिया को पूरी ताकत के साथ मैदान में उतारना होगा।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारत-न्यूजीलैंड का आखिरी मैच आज

सैमसन के फॉर्म पर नजरें, सूर्या तोड़ सकते हैं रोहित का रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला आज तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच शाम 7:00 बजे से खेला जाएगा, जबकि टॉस शाम 6:30 बजे होगा। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले दोनों टीमों का यह आखिरी टी-20 मुकाबला होगा। टीम इंडिया सीरीज में 3-1 से आगे है, लेकिन विशाखापत्तनम में मिली हार के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव आखिरी मैच में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरतना चाहेंगे।

यह मुकाबला विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के लिए बेहद अहम है। अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए संजू पर न केवल रन बनाने का दबाव होगा, बल्कि उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी भी मजबूत करनी होगी।

अगर सूर्यकुमार यादव आज 33 रन बना लेते हैं, तो वह टी-20 इंटरनेशनल में 3000 रन पूरे कर लेंगे और ऐसा करने वाले भारत के तीसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी तक यह उपलब्धि सिर्फ रोहित शर्मा (4231 रन) और विराट कोहली (4188 रन) ने हासिल की है। सूर्यकुमार ने अब तक खेले गए 103 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 2967 रन बनाए हैं। वहीं, अगर सूर्या 48 रन बना लेते हैं, तो वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल इस लिस्ट में 511 रनों के साथ रोहित शर्मा टॉप पर हैं।

सूर्या ने सबसे ज्यादा रन बनाए

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दूसरे टी-20 में नाबाद 82 और तीसरे में नाबाद 57 रन बनाए थे। फिलहाल वे सीरीज और टीम दोनों के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 4 मैच में 179 रन बनाए हैं. गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह टॉप पर हैं। डफी न्यूजीलैंड के टॉप बॉलर न्यूजीलैंड के लिए ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 169 रन बनाए हैं, उन्होंने पहले टी-20 में 78 और तीसरे में 48 रन बनाए थे। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज जैकब डफी 5 विकेट ले चुके हैं।

बारिश के आसार नहीं

पांचवें मुकाबले में फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिलने वाला है क्योंकि बारिश की दखलअंदाजी देखने को नहीं मिलेगी। दिन भर धूप खिली रहेगी और मौसम अच्छा रहने वाला है। बारिश होने के आसार 4 प्रतिशत हैं, जबकि हवा 14 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली है।

भारत में कभी टी-20 सीरीज नहीं जीती न्यूजीलैंड

दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 28 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 15 मैचों में जीत दर्ज की है। जबकि न्यूजीलैंड को 11 मुकाबलों में सफलता मिली है। 3 मैच टाई भी रहे हैं। भारतीय सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच 15 टी-20 खेले गए हैं, जहां होम टीम ने 10 मैच जीते, जबकि न्यूजीलैंड को सिर्फ 5 में जीत नसीब हुई। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ लगातार पांचवीं टी-20 सीरीज भी गंवा दी है। टीम कभी भारत में टी-20 सीरीज भी नहीं जीत पाई।

टी20 विश्वकप के अब तक 9 संस्करण

8 कप्तान बने चैंपियन, सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकार्ड माही के नाम

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस आठ दिन बचे हैं। इससे पहले आईसीसी और बांग्लादेश के बीच विवाद ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब जब बांग्लादेश बाहर हो चुका है और उसकी जगह आईसीसी ने स्कॉटलैंड को शामिल किया है, लिटन दास अपनी टीम को पहला टी20 खिताब दिलाने से वंचित रह गए। वहीं, पाकिस्तान भी बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी दे रहा है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं उन आठ कप्तानों के बारे में, जिन्होंने अब तक टी20 विश्व कप में कामयाबी चखी है। 2026 टी20 विश्व कप इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। इससे पहले नौ संस्करणों में आठ कप्तानों ने अपनी-अपनी टीमों को चैंपियन बनाया। इनमें सबसे कामयाब कप्तान डैरेन सैमी हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज की टीम 2012 और 2016, दो संस्करणों में चैंपियन बनी।

एमएस धोनी- टी20 विश्व कप के पहले संस्करण में भारतीय टीम ने एमएस धोनी के नेतृत्व में खिताब जीता था। टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था और खिताब पर कब्जा जमाया था। धोनी के नाम टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का भी रिकॉर्ड है। उन्होंने टी20 विश्व कप के छह संस्करणों में टीम इंडिया की कप्तानी की। धोनी की कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप में 33 मैच खेले और 21 में जीत हासिल की। 11 मैच में हार मिली और एक मैच बेनतीजा रहा।

यूनिस खान| 2009 में पाकिस्तान ने यूनिस खान की कप्तानी में खिताब जीता। फाइनल में पाकिस्तान ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया था। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान कभी टी20 विश्व कप नहीं जीत सका। यूनिस की कप्तानी में पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में सात मैच खेले और पांच में जीत हासिल की। दो में टीम को हार मिली। 2009 टी20 विश्व कप के बाद ही यूनिस को कप्तानी से हटा दिया गया था। 2010 में शाहिद अफरीदी कप्तान थे।

पॉल कॉलिंगवुड| 2010 में इंग्लैंड ने पॉल कॉलिंगवुड की कप्तानी में खिताब पर कब्जा जमाया था। फाइनल में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया था। हालांकि, कॉलिंगवुड का बतौर कप्तान टी20 विश्व कप में मैच जीतने का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप में कुल 17 मैच खेले और आठ में जीत हासिल की।

लसिथ मलिंगा| 2014 में लसिथ मलिंगा और श्रीलंका का साथ किस्मत ने खूब दिया था। टीम फाइनल में भारत को हराकर चैंपियन बनी थी। दरअसल, नियमित कप्तान दिनेश चांदीमल को स्लो ओवर रेट की वजह से एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। ऐसे में फाइनल में मलिंगा कप्तान रहे और टीम चैंपियन बनी। मलिंगा उसके बाद किसी टी20 विश्व कप में श्रीलंका के कप्तान नहीं बने।

एरॉन फिंच| 2016 के पांच साल बाद टी20 विश्व कप खेला गया था। 2021 में एरॉन फिंच की कप्तानी में दुबई में ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराकर चैंपियन बनी थी। यह ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र टी20 विश्व कप का खिताब है। फिंच इसके बाद 2022 में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान रहे, लेकिन उनकी टीम कामयाबी नहीं दोहरा सकी।

7. जोस बटलर| साल 2022 में जोस बटलर इंग्लैंड के लिए किस्मत लेकर आए। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता। फाइनल में बेन स्टोक्स ने बेहतरीन पारी खेली थी। हालांकि, बटलर ने इसके बाद 2024 टी20 विश्व कप में भी कप्तानी की, लेकिन टीम सेमीफाइनल में भारत से हारकर बाहर हो गई। जोस बटलर की कप्तानी में इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप में कुल 14 मैच खेले हैं और उसमें से नौ में जीत हासिल की। चार में टीम को हार का सामना करना पड़ा। एक मैच

बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप बायकॉट पर श्रीलंका ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है और फाइनल 8 मार्च को है. यह वर्ल्ड कप इस बात के लिए आने वाले दिनों में याद किया जाएगा कि बांग्लादेश ने भारत में अपने मुकाबले करवाने से इनकार किया था. वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले जब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल)ने बांग्लादेश के भारत में सुरक्षा के लेकर तर्कों को नहीं माना और अपने मैच श्रीलंका में करवाने की वकालत की, तो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इसे खारिज कर दिया. बांग्लादेश कहता रहा कि उसके मैच श्रीलंका में हों, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. अब बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड की टीम टी20 वर्ल्ड कप में खेलेगी.

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और बांग्लादेश के बीच टी 20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर चला आ रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है. भारत के साथ टी20 वर्ल्ड कप की सह-मेजबान श्रीलंका ने इस पूरे मामले पर आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है. इस मामले में काफी समय तक चुप रहने के बाद अब श्रीलंका ने अपना स्टैंड क्लियर किया है. श्रीलंका क्रिकेट के सचिव बंदुला दिसानायके कहा कि श्रीलंका किसी भी क्षेत्रीय विवाद का हिस्सा नहीं बनना चाहता. उन्होंने कहा-भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच चल रहे विवादों में हम पूरी तरह तटस्थ हैं. ये सभी हमारे मित्र राष्ट्र हैं.

वहीं उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर भविष्य में किसी देश की ओर से अनुरोध आता है, तो श्रीलंका किसी भी टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार रहेगा. ध्यान रहे भारत और पाकिस्तान आपसी तनातनी की वज से एक-दूसरे के खिलाफ मैच तटस्थ स्थानों पर खेलती हैं. इसी कारण पाकिस्तान अपने ज्ञ20 वर्ल्ड कप 2026 के सभी मुकाबले, भारत के खिलाफ मैच समेत, श्रीलंका में खेलेगा.

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

तीन हसीनाओं के बीच फंसे चहल

वायरल फोटो पर बोले- और भी हैं...

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल एक बार फिर रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी पर्सनल लाइफ पर लगातार नजरें हैं। धनश्री से अलग होने के बाद चहल, आरजे महवश संग नजर आने लगे। दोनों की डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगीं। लेकिन कुछ दिन पहले चहल और महवश ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया।

हाल ही में क्रिकेटर को बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शेफाली बग्गा के साथ स्पॉट किया गया। शेफाली और चहल को साथ देखकर फैन्स के बीच हलचल मच गई। कहा जाने लगा कि दोनों डेटिंग फेज में हैं। हद तो तब हुई लोगों ने चहल, शेफाली, धनश्री और महवश का एक AI पोस्टर बना डाला। पोस्टर का टाइटल किस किसको प्यार करूं 3 है। क्रिकेटर ने वायरल पोस्टर पर रिएक्ट किया है। युजवेंद्र चहल की डेटिंग अफवाहों के बीच किस किसको प्यार करूं 3 के AI वाले पोस्टर वायरल हो गए। इसमें चहल को धनश्री वर्मा, आरजे महवश और शेफाली बग्गा के साथ दिखाया गया। ये कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 की तरह लव ट्रायंगल जैसा लग रहा था। ग्राफिक डिजाइनर विजय कुमार बरिया ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, और ये पोस्टर चहल की भी नजर में आ गया।

चहल ने हंसते हुए कमेंट किया, 2-3 रह गई एडमिन, अगली बार रिसर्च बेहतर करो। मतलब, कुछ और नाम भी मिसिंग हैं। ये कमेंट वायरल हो गया, और फैंस ने क्रिकेटर के मजाकिया स्टाइल की तारीफ की। धनश्री वर्मा ने अशनीर ग्रोवर के शो राइज एंड फॉल पर बड़ा खुलासा किया था। धनश्री ने कुब्रा सैत से बातचीत में कहा था कि शादी के पहले साल में ही चहल ने उन्हें धोखा दिया। शादी के 2 महीने बाद उन्हें धोखे के बारे में पता चला। धनश्री के इस खुलासे फैन्स हैरान थे।

मर्दानी-3 का पब्लिक रिव्यू

बेहतरीन एक्टिंग और कहानी ने जीता दिल, दर्शकों ने बताया वन टाइम वॉच

क्राइम-थ्रिलर फ्रेंचाइजी मर्दानी का तीसरा पार्ट मर्दानी-3 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुका है। फिल्म में एक बार फिर रानी बहादुर अफसर शिवानी शिवाजी रॉय के अवतार में दिखीं हैं, जो क्रिमिनल गतिविधियों को रोकने के लिए अपनी जान दांव पर लगाती दिख रही हैं। रिलीज के साथ फिल्म को दर्शकों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। एक बार फिर रानी अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने में कामयाब रही हैं।

फिल्म देखकर आए दर्शक ने बताया, ÷फिल्म गंभीर मुद्दे चाइल्ड ट्रैफिकिंग पर बनी है, जो समाज के काले सच को उजागर करती है। फिल्म में रानी मुखर्जी का रोल बहुत दमदार है और फिल्म ने शुरू से लेकर आखिर तक दर्शकों को बांधने की कोशिश की है। फिल्म थ्रिलर और सस्पेंस से भरी है। फिल्म में विलेन के तौर पर नए चेहरों को उतारा गया है, लेकिन अगर मर्दानी-1 और मर्दानी-2 की बात की जाए तो मर्दानी-3 थोड़ी कमजोर है। फिल्म वन टाइम वॉच है। एक दूसरे दर्शक ने कहा, क्राइम-थ्रिलर फ्रेंचाइजी मर्दानी की वजह से ही हम फिल्म का तीसरा पार्ट देखने के लिए आए, और फिल्म वाकई शानदार है। फिल्म में रानी मुखर्जी ने दमदार एक्शन किया है, लेकिन बीच में कहीं-कहीं फिल्म स्लो हो जाती है, लेकिन फिल्म अच्छी है। तीनों फिल्मों की कहानी अलग रही है, लेकिन तीनों पार्ट अपनी-अपनी जगह सही हैं। सबको फिल्म जरूर देखनी चाहिए, क्योंकि ये समाज के खतरनाक मुद्दों को दिखाती है।

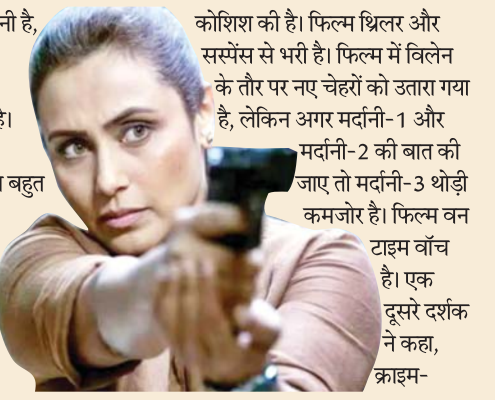

मेट्रो बाजार

भारत-ईयू ट्रेड डील एक परिवर्तनकारी समझौता

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एफटीए को परिवर्तनकारी समझौता बताया। साथ ही कहा कि इससे देश के बाजारों का विस्तार होगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री कार्यकाल की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा गया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ऐतिहासिक भारत-ईयू ट्रेड डील पर एक लेख लिखा है। यह समझौता पूरी तरह से विकसित भारत के विजन पर समर्पित है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौतेका सफल समापन वास्तव में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो यूपीए युग के विपरीत है, जहां समझौते जल्दबाजी में किए गए थे और भारत ने अकसर हासिल करने की तुलना में कहीं अधिक त्याग किया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता हमारी अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करेगा और समृद्धि को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व और रणनीतिक दूरदर्शिता के मार्गदर्शन में हुए समझौते भारत के मूल हितों को प्राथमिकता देते हुए बाजारों का विस्तार करते हैं, रोजगार सृजित करते हैं और आर्थिक विकास को गति देते हैं। इससे पहले, गोयल ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर कांग्रेस की आलोचना का कड़ा जवाब देते हुए कहा कि यह समझौता एकतरफा नहीं है, बल्कि पारस्परिक रूप से लाभकारी है जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देगा।

सीतारमण के नाम सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड, 800 शब्दों में सबसे छोटी स्पीच

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठ बार लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश कर चुकी हैं और अब 1 फरवरी को वह नौवीं बार बजट पेश करेंगी। अपने आठवें बजट के दौरान उन्होंने करीब 1 घंटे 17 मिनट यानी 77 मिनट तक भाषण दिया था। 2024 में आम चुनाव होने के कारण 1 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश किया गया था, जिसमें वित्त मंत्री का भाषण लगभग 56 मिनट का रहा। चुनाव के बाद मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आई, जिसके बाद 23 जुलाई 2024 को पूर्ण बजट पेश किया गया। इस दौरान सीतारमण का बजट भाषण करीब 1 घंटे 25 मिनट तक चला। इससे पहले वित्त मंत्री सीतारमण ने 2023-24 के लिए 87 मिनट का बजट भाषण पढ़ा था। 2019 में उनका बजट भाषण 2 घंटे 17 मिनट का था। 2022 में वह 92 मिनट तक बोलीं थीं।

किस वित्त मंत्री ने दिया सबसे लंबा भाषण?

निर्मला सीतारमण के नाम भारतीय इतिहास में सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड दर्ज है। केंद्रीय बजट 2020 के दौरान उनका भाषण भारतीय इतिहास का सबसे लंबा रहा, जो 2 घंटे 42 मिनट तक चला। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय बजट 2019 में दिए गए 2 घंटे 17 मिनट के अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं, दिवंगत अरुण जेटली का 2014 का बजट भाषण 2 घंटे 10 मिनट का था। अब जानते हैं कि पिछले वर्षों में किस नेता ने अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण दिया। साल 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए अपना पहला बजट पेश किया। इसी भाषण के साथ उन्होंने सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड बना दिया, जो 2 घंटे 17 मिनट तक चला। अगले साल उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया और वित्त वर्ष 2020-21 का बजट पेश करते हुए 2 घंटे 42 मिनट तक भाषण दिया।

बर्फबारी से बाबा केदार के धाम का श्रृंगार

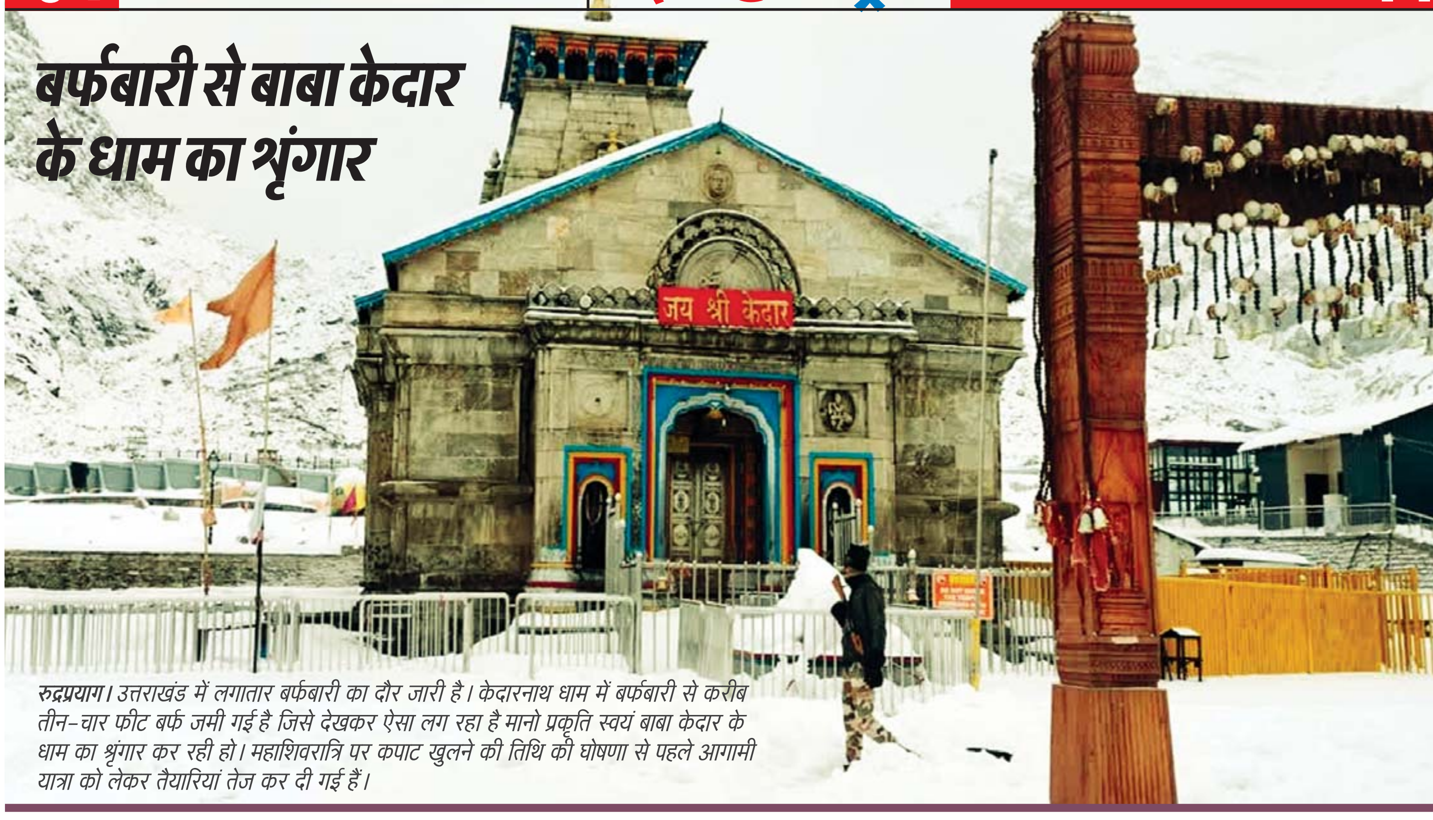

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ धाम में बर्फबारी से करीब तीन-चार फीट बर्फ जमी गई है जिसे देखकर ऐसा लग रहा है मानो प्रकृति स्वयं बाबा केदार के धाम का श्रृंगार कर रही हो। महाशिवरात्रि पर कपाट खुलने की तिथि की घोषणा से पहले आगामी यात्रा को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

उत्तर भारत से महाराष्ट्र तक तापमान में उतार-चढ़ाव

दिल्ली में आज फिर भिगोएगी बारिश!

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर भारत में मौसम फिर से करवट लेने वाला है। एक के बाद एक एक्टिव हो रहे पश्चिमी विक्षोभ भारत के अलग-अलग इलाकों में बारिश, बर्फबारी और कोहरे का नया दौर ला रहे हैं। पहाड़ी एरिया में जहां बर्फबारी हो सकती है, तो वहीं मैदानी इलाकों में भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अगले कुछ दिनो में तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इस आर्टिकल में जानिए कि आने वाले दिनों में आपके इलाके में मौसम का मिजाज कैसा रहने वाला है।

दिल्ली की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार, यहां आज आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं। दोपहर या शाम तक इसका असर दिखाई देगा। फिर रात के वक्त गरज-चमक के साथ बहुत हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चल सकती हैं। IMD ने आज न्यूनतम तापमान 6-8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान जताया है।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना

एक के बाद एक, दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से, वेस्टर्न हिमालयन एरिया में आज से 3 फरवरी के बीच हल्की से मध्यम छिटपुट बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में भारी बारिश की भी आशंका है। साथ ही, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी भी होने की संभावना है। वहीं, नॉर्थ-वेस्ट इंडिया और सेंट्रल इंडिया के आस-पास के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके बाद, तीसरा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 5 से 7 फरवरी के दौरान नॉर्थ-वेस्ट इंडिया को प्रभावित कर सकता है।

न्यूज विंडो

पंजाब में नशे की खेप पहुंचाने जा रहे पति-पत्नी गिरफ्तार

घुमारवीं। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने हाईवे पर नशे की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान पति-पत्नी से चार किलोग्राम चरस बरामद की है। पति और पत्नी की नशे के कारोबार में संलिप्त थे। घुमारवीं थाना पुलिस ने कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन में बलोह टोल प्लाजा के समीप 4.053 किलोग्राम चरस की खेप बरामद की है। पुलिस ने आरोपित पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार घुमारवीं पुलिस की टीम ने मंडी की ओर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार नंबर एचपी-01के-9160 को जांच के लिए रोका। कार पंजाब की ओर जा रही थी। क्यास लगाए जा रहे हैं कि ये लोग पंजाब में नशे की खेप ठिकाने लगाने जा रहे थे। वाहन चालक ने अपना नाम 32 वर्षीय टेक सिंह निवासी गांव रोपा, डाकघर मंगलौर, तहसील बंजार, जिला कुल्लू बताया, जबकि उसके साथ उसकी पत्नी प्रेमलता भी थी। पुलिस द्वारा जब वाहन की गहन तलाशी ली गई तो डिग्गी में रखे एक भूरे रंग के बैग से 4.053 किलो चरस बरामद हुई। इतनी भारी मात्रा में चरस की बरामदगी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना घुमारवीं में केस दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर नशा तस्करी के नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है।

सीबीआई ने ओडिशा में अपने ही ASI पर दर्ज की एफआईआर

भुवनेश्वर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने ही एक अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दिल्ली सीबीआइ इकाई ने भुवनेश्वर शाखा में तैनात एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है।यह कार्रवाई ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के परिसरों में दिल्ली सीबीआइ द्वारा की गई छापेमारी के बाद सामने आए नए तथ्यों के आधार पर की गई है। आरोपी की पहचान प्रशांत कुमार पलेई के रूप में हुई है, जो सीबीआइ भुवनेश्वर शाखा में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर कार्यरत हैं। उन पर सुंदरगढ़ के बसुंधरा क्षेत्र स्थित एमसीएल के गर्जनबहाल ओपन-कास्ट प्रोजेक्ट के डिस्पैच अधिकारी सारदा प्रसाद सेठी से पैसे वसूलने का संदेह है।आरोप है कि सारदा प्रसाद सेठी ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए विभिन्न कोयला उत्खननकर्ताओं से अवैध रूप से धन की वसूली की। यह भी आरोप लगाया गया है कि पलेई ने सेठी को सीबीआइ और अन्य जांच एजेंसियों से बचाने के लिए रिश्वत ली।

चाइनीज मांझे में दौड़े करंट से 14 साल का लड़का झुलसा

रायसेन। बेगमगंज नगर मेंको एक 14 वर्षीय बालक करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया। वह छत पर पतंग उड़ा रहा था। बिजली की हाइटेंशन लाइन में चाइनीज मांझा उलझ गया, इसी दौरान मांझे में करंट प्रवाहित हुआ और वह उसकी चपेट में आ गया। नगर के पक्का फाटक मोहल्ला निवासी बालक के पिता नसीम अली ने बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र जुबेर छत पर पतंग उड़ा रहा था कि अचानक पतंग का मांझा ऊपर से निकली हाइटेंशन लाइन में उलझ गया और डोर में अचानक करंट प्रवाहित होने पर बालक को जोर का झटका लगा और वह उछलकर 20 फीट ऊंची छत से नीचे आकर क्रांकीट सड़क पर गिरा। थाना प्रभारी राजीव उइके के अनुसार, बालक को करंट जोरदार झटका लगा और वह छत से सड़क पर आ गिरा। गिरने के कारण बालक का सिर फट गया, घुटने और पांव में गंभीर चोटें आई हैं। बालक की चीख पुकार सुनकर परिजन एवं आसपास के लोग दौड़े और तत्काल उसको उठाकर सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सागर के मेडिकल कालेज रेफर कर दिया था, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

शरद पवार गुट तैयार, पार्टी के नियंत्रण और पॉवर का फंस रहा पेच

अजित पवार खेमा फिलहाल नहीं चाहता अभी एनसीपी गुटों का विलय!

मुंबई, एजेंसी

एनसीपी के दोनों गुटों का जल्द विलय होने की संभावना नहीं है, क्योंकि एनसीपी नेतृत्व का अभी तक फैसला नहीं हुआ है। एनसीपी के एक प्रभावशाली धड़े (अजीत पवार) का मानना है कि विलय पर विचार करने से पहले सुनेत्रा पवार पार्टी में अपनी पकड़ मजबूत कर लेंगी। ये घटनाक्रम महत्वपूर्ण हैं क्योंकि शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट शीघ्र विलय के लिए दबाव बना रहा है और उसका दावा है कि अजीत पवार और एनसीपी (एसपी) गुट दिसंबर में ही विलय की घोषणा करने वाले थे।

शीघ्र विलय का मतलब यह हो सकता है कि सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद भी, वे पार्टी पर अपना नियंत्रण नहीं रख पाएंगी क्योंकि पार्टी के कामकाज की बागडोर शरद पवार के हाथ में होगी। जाहिर तौर पर सुनेत्रा पवार खेमे को यह बात मंजूर नहीं है।

माणिकराव कोकाटे बोले- हम सुनेत्रा पवार के साथ

भविष्य की स्थिति का अंदाजा तब लगाया जा सकता है जब पूर्व मंत्री और एनसीपी विधायक माणिकराव कोकाटे सुनेत्रा पवार को पार्टी का नेतृत्व सौंपने के लिए अपना समर्थन दे रहे हैं। कोकाटे ने कहा, 'दादा (अजीत) का उत्तराधिकारी उनके परिवार से ही होना चाहिए। पार्टी का नेतृत्व करने के लिए हम किसी और के बारे में सोच भी नहीं सकते। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में किसी चर्चा की जरूरत है, हम सभी सुनेत्रा पवार के साथ खड़े रहेंगे।'

पूरी होना चाहिए 'अंतिम इच्छा'

इस बीच, शरद पवार खेमा भावनात्मक रुख अपनाते हुए दावा कर रहा है कि विलय अजीत पवार की 'अंतिम इच्छा' थी जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने कहा कि सभी को विलय के लिए कदम उठाने चाहिए, अजीत दादा की अंतिम इच्छा थी कि पार्टी एकजुट रहे और सभी (दोनों गुटों) को इसके लिए कदम उठाने चाहिए।

सुनेत्रा पवार पर फैसला

अजीत पवार खेमे के एक एनसीपी नेता ने कहा कि वे विलय के विचार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह उचित समय पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विलय होने पर पार्टी के फैसले कौन लेगा? क्या यह सुनेत्रा पवार लेंगी या शरद पवार? यह स्पष्ट है कि वरिष्ठ पवार की बात ज्यादा सुनी जाएगी। उन्होंने आगे कहा, 'यह याद रखना जरूरी है कि अजीत पवार और शरद पवार के बीच लड़ाई इस बात को लेकर थी कि पार्टी पर किसका नियंत्रण होना चाहिए, यही वजह है कि एनसीपी में फूट पड़ी और ऐसा लगता है कि यह सिलसिला अभी भी जारी है।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पवार परिवार एकजुट है और अंतिम फैसला सुनेत्रा पवार ही लेंगी।

तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक दिन पहले सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हड़कंप मच गया। आज शहर के तीन स्कूलों पुलिस डीएवी स्कूल, कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल और एमजीएम स्कूल को ई-मेल के जरिए बम धमाके की धमकी मिली। मेल में प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान डेरा बल्लां क्षेत्र में धमाके की चेतावनी दी गई है। धमकी भरे मेल में लिखा गया कि खालिस्तानियों का डेरे से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री उनके दुश्मन हैं। जैसे ही स्कूल प्रशासन को मेल की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत पुलिस विभागों को सूचित किया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और हालात पर नजर रखी जा रही है। हालांकि, इस मामले में पुलिस के किसी पुलिस अधिकारी ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है।

ईरान और अमेरिका के बीच की टेंशन अपने चरम पर, दोनों देशों में छिड़ी जुबानी जंग

तेहरान/वॉशिंगटन। मिडिल ईस्ट इस समय बेहद तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच की टेंशन अपने चरम पर पहुंच चुकी है। एक तरफ ईरान ने साफ कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मूज पर उसकी पूरी पकड़ है और वह किसी भी खतरे के लिए तैयार है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने चेतावनी दी है कि वह किसी भी 'असुरक्षित या उकसावे वाली कार्रवाई' को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी बीच अरब देशों, अरब लीग और कई वैश्विक ताकतों ने चेताया है कि अगर हालात बिगड़े तो इसका असर सिर्फ मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

ईरान और अमेरिका के रिश्ते दशकों से खराब रहे हैं, लेकिन मौजूदा हालात पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। ईरान में हाल के महीनों में सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए हैं। आर्थिक संकट, मुद्रा के गिरते मूल्य और बेरोजगारी ने आम लोगों को सड़कों पर ला दिया। इन प्रदर्शनों को दबाने के लिए ईरानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद हजारों लोगों के मारे जाने के आरोप लगे। अमेरिका ने इन घटनाओं को मानवाधिकार उल्लंघन बताया और ईरान पर नए प्रतिबंध लगा दिए। इसके साथ ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर फिर से सख्त रुख अपनाया। ट्रंप का कहना है कि ईरान अगर बातचीत नहीं करता तो अमेरिका के पास सैन्य विकल्प खुले हैं।

दिल्ली में 60 से अधिक ट्रेनें चल रही लेट, यात्री परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली आने वाली 60 से अधिक ट्रेनें विलंब से चल रही है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में कई ट्रेनें विलंब से रवाना होंगी। लंबी दूरी के साथ ही लोकल ट्रेनों के देरी से चलने के कारण दैनिक यात्रियों को परेशानी हो रही है। सहारनपुर-पुरानी दिल्ली पैसेंजर-साढ़े चार घंटे, सहारनपुर-पुरानी दिल्ली एमईएमयू, बुलंदशहर-तिलकराज एमईएमयू डेढ घंटे, रेवाड़ी-पुरानी दिल्ली पैसेंजर, जाखल-पुरानी दिल्ली पैसेंजर सवा घंटे की देरी से चल रही हैं। कई अन्य लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे के विलंब से गंतव्य पर पहुंच रही हैं।

बेटा न होने पर की पत्नी की हत्या, चेहरा कुचला, बोरे में शव भरकर नाले में फेंका

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-17 स्थित बालूघाट गली नंबर-3 में बेटा नहीं होने से नाराज पति ने अपने भाइयों के साथ मिलकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। मृतका की पहचान फूलो देवी के रूप में हुई है। हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर आश्रम घाट के पास बूढ़ी गंडक नदी में गिरने वाले नाले के मुहाने पर फेंक दिया गया।

शुक्रवार को नदी के किनारे क्रिकेट खेल रहे बच्चों की नजर बोरे पर पड़ी। कुत्तों द्वारा बोरा नोचे जाने के बाद जब बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर जुट गए। वहीं सूचना मिलने पर सिकंदरपुर थाना पुलिस, सिटी एसपी, नगर एएसपी और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

22 जनवरी से लापता था महिला: मृतक महिला के भाई शिवनाथ शाह ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव की पहचान की। मृतक महिला के भाई शिवनाथ शाह ने बताया कि फूलो देवी 22 जनवरी से लापता थी। इस संबंध में 25 जनवरी को ही सिकंदरपुर थाने में पति संतोष शाह और उसके तीन भाइयों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। परिजनों का गंभीर आरोप है कि केस दर्ज करने के बाद भी पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। परिजनों का कहना कि अगर पुलिस समय रहते आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करती तो शायद फूलो देवी की जान बच सकती थी।

सूचना आयोग ने खारिज की महिला की याचिका

पति-पत्नी के निजी रिश्तों की जांच पड़ताल नहीं करता आरटीआई

मथुरा, एजेंसी

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत दायर एक अपील में राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम की पीठ ने स्पष्ट किया है कि आरटीआई का प्रयोग निजी वैवाहिक संबंधों की जांच-पड़ताल के लिए नहीं किया जा सकता। पीठ ने यह व्यवस्था संतकबीर नगर की एक महिला द्वारा दायर अपील को निस्तारित करते हुए दी। पति के साथ अलगाव के बाद महिला द्वारा आरटीआई के तहत आवेदन प्रस्तुत करते हुए जानना चाहा था कि क्या वह अपने पति के साथ विधिक पत्नी के रूप में रहती है या नहीं?

यदि नहीं तो उसके वैवाहिक संबंधों के बारे में ग्राम प्रधान को क्या जानकारी है? और क्या उसके पति ने अपनी विधिक पत्नी को तलाक दिए बिना दूसरी महिला को पत्नी के रूप में रखा है तथा उससे उत्पन्न बच्चों का नाम व उम्र क्या है? जन सूचना अधिकारी ने इस पर यह उत्तर दिया कि ऐसी कोई सूचना ग्राम पंचायत के अभिलेखों में धारित नहीं करती। आवेदिका इस उत्तर से सहमत नहीं हुई, उसके द्वारा आयोग के समक्ष अपील दायर की गई।

रिश्तों का सामाजिक रजिस्टर नहीं आरटीआई

आयोग ने स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायत से यह अपेक्षा करना कि वह नागरिकों के वैवाहिक जीवन, निजी संबंधों अथवा पारिवारिक विवादों का रिकॉर्ड रखे, आरटीआई अधिनियम की भावना का अनावश्यक विस्तार है। आयुक्त ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि 'आरटीआई अधिनियम पारदर्शिता का माध्यम है, न कि स्त्री-पुरुष के निजी रिश्तों का सामाजिक रजिस्टर।' आयोग ने कहा कि आरटीआई के प्रति नागरिकों का भरोसा बढ़ना सकारात्मक है, किंतु यह भरोसा इस स्तर तक नहीं जाना चाहिए कि उससे यह अपेक्षा की जाए कि वह जो अस्तित्व में ही नहीं है, उसे भी उपलब्ध करा दे। पीठ ने कहा कि आरटीआई आवेदन पर जनसूचना अधिकारी ने जो सूचना उपलब्ध कराई है, वो पर्याप्त है, ऐसी अपील को निस्तारित किया जाता है।

मेट्रो एंकर

बार-बार हाथ फैलाने से शर्मसार पाक पीएम ने दुनिया को बताई उनके देश की कंगाली की सच्चाई

शहबाज बोले- कर्ज मिला, लेकिन आत्मसम्मान को पहुंची ठेस

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में कारोबारियों और निर्यातकों को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक हालत पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा, तब उसे अपने मित्र देशों से कर्ज मांगना पड़ा, जिससे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने चुपचाप कई देशों का दौरा किया और अरबों डॉलर के कर्ज की अपील की, ताकि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से राहत पैकेज मिल सके और विदेशी वित्तीय कमी को पूरा किया जा सके।

कर्ज की कीमत चुकानी पड़ती है- शहबाज शरीफ

शहबाज शरीफ ने कहा कि कर्ज लेने की प्रक्रिया आसान नहीं होती। जब कोई देश कर्ज मांगता है तो उसे कई शर्तें और दबाव झेलने पड़ते हैं, जिनका कई बार कोई ठोस औचित्य भी नहीं होता। उन्होंने साफ शब्दों में माना कि ऐसे हालात में देश को दूसरों की शर्तें माननी पड़ती हैं, चाहे वे उचित हों या नहीं।

'कठिन समय में कई मित्र देशों ने मदद की'

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कठिन समय में कई मित्र देशों ने मदद की, जिनमें चीन सबसे आगे रहा। उन्होंने इन देशों का आभार जताया, लेकिन साथ ही स्वीकार किया कि कर्ज लेने की एक कीमत चुकानी पड़ती है- और वह कीमत है राष्ट्रीय सम्मान से समझौता।

पहले भी कर्ज मांग कर शर्मिंदगी झेल चुके हैं शहबाज

यह पहली बार नहीं है जब शहबाज शरीफ ने इस तरह की बात कही हो। जनवरी 2023 में भी उन्होंने कहा था कि बार-बार कर्ज मांगना उन्हें शर्मिंदा करता है, खासकर तब जब सऊदी अरब जैसे देश पाकिस्तान की मदद करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि पाकिस्तान का लक्ष्य होना चाहिए कि वह आईएमएफ के कार्यक्रमों से बाहर निकले, आत्मनिर्भर बने और हमेशा कर्ज पर निर्भर रहने की नीति से छुटकारा पाए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564